हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 182 बेमेतरा, रविवार 22 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की रोक

नईदिल्ली। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए व्यापक आयात शुल्क को अवैध करार दे दिया है। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद दुनिया भर के बाजारों में हलचल तेज हो गई है। भारत में पीयूष गोयल के नेतृत्व वाला वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय इस फैसले और इसके बाद अमेरिका की ओर से उठाए गए नए व्यापारिक कदमों के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर का बारीकी से अध्ययन कर रहा है।

ग्लोबल एआई रैंकिंग में अमेरिका पहले और भारत छठे नंबर पर

नईदिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती तकनीकों में से एक है। हर देश इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है क्योंकि एआई का इस्तेमाल अब उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जिंदगी में तेजी से बढ़ रहा है। इसी बीच जारी ग्लोबल एआई ब्रेन रेस रिपोर्ट 2026 में बताया गया है कि एआई के मामले में कौन-सा देश कितना आगे है। इस रिपोर्ट में अमेरिका पहले स्थान पर है जबकि भारत छठे स्थान पर रहा है।

अब चैट बॉक्स में ही कर सकेंगे लिंक्स की सेफ्टी जांच

नईदिल्ली। अक्सर हमें व्हाट्सएप या ईमेल पर ऐसे लिंक मिल जाते हैं जो आकर्षक ऑफर का लालच देते हैं, लेकिन उन पर क्लिक करते ही फोन हैक हो जाता है और बैंक अकाउंट से सारे पैसे साफ हो जाते हैं, लेकिन अब और नहीं, क्योंकि चैटजीपीटी के अंदर अब एक भरोसेमंद सुरक्षा सॉफ्टवेयर मालवेयर बाइट्स का एक्सेस मिलता है। खास बात है कि इसके लिए आपको अलग से कोई एप खोलने की जरूरत नहीं पड़ेगी, आप सीधे चैट बॉक्स में ही लिंक या नंबर पेस्ट करके उसकी सुरक्षा जांच कर सकते हैं।

नई जीडीपी सीरीज में बड़ा बदलाव, अब बदलेगी विकास दर की तस्वीर

नईदिल्ली। देश की सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की नई सीरीज अगले सप्ताह जारी होने वाली है। इससे पहले सांख्यिकी मंत्रालय ने राष्ट्रीय आय के आकलन को अधिक सटीक, स्थिर और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में अहम बदलावों का संकेत दिया है। खास तौर पर महंगाई के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों को स्थिर कीमतों में बदलने की प्रक्रिया में बड़े सुधार प्रस्तावित हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की नई रिपोर्ट के अनुसार, उपभोग, निवेश और बाहरी व्यापार के आंकड़ों को स्थिर कीमतों में बदलने की मौजूदा पद्धति में व्यापक संशोधन किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जीडीपी के वास्तविक आंकड़े अर्थव्यवस्था की गतिविधियों को अधिक वास्तविक रूप में दर्शाएं।

मां का आशीर्वाद और अपार जनस्नेह: बगिया में आत्मीयता के साथ मना मुख्यमंत्री का जन्मदिन

राम सदन में सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बधाई और शुभकामनाएं देने वालों का लगा रहा तांता, मुख्यमंत्री ने सभी का किया आभार व्यक्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का 62वाँ जन्मदिवस उनके गृहग्राम बगिया में अत्यंत उत्साह, आत्मीयता और पारिवारिक स्नेह के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृहग्राम बगिया स्थित अपने घर पहुंचते ही सबसे पहले अपनी माता श्रीमती जसमनी देवी के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री साय के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का दिनभर तांता लगा रहा।जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी के स्नेह, शुभकामनाओं और आत्मीय स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनस्नेह ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने अपने जन्मदिवस को विशेष और यादगार बनाने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस विशेष अवसर पर बगिया स्थित श्री राम सदन में सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उनकी माताजी श्रीमती जसमनी देवी, धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ व्रत कथा का श्रवण किया तथा ईश्वर से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के आगमन से पूर्व ही उनके गृहग्राम बगिया स्थित गृहनिवास में उनसे मिलने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी।जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आम नागरिकों में मुख्यमंत्री से भेंट करने और उन्हें शुभकामनाएं देने को लेकर विशेष उत्साह और उत्सुकता देखने को मिली।

क्रिकेट में जिले का नाम रोशन कर चुकी छात्राओं को मुख्यमंत्री ने प्रदान की क्रिकेट किट

क्रिकेट की दुनिया में जिले का नाम रोशन करने वाली शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास, इचकेला की प्रतिभाशाली छात्राओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रोत्साहित करते हुए 15 क्रिकेट किट प्रदान किया। छात्रावास की इन छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप इसी लगन, अनुशासन और मेहनत के साथ निरंतर आगे बढ़ती रहें तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन करें।

पारंपरिक परिधान में आए पहाड़ी कोरवा समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री को दी जन्मदिवस की बधाई

बगीचा से आए विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय पहाड़ी कोरवा समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पहाड़ी कोरवा समाज के सदस्य अपने पारम्परिक वेशभूषा एवं तीर-धनुष के साथ उपस्थित हुए, जिससे उनकी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की झलक दिखाई दी।मुख्यमंत्री श्री साय ने उनसे आत्मीय संवाद करते हुए उनके क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। इस पर पहाड़ी कोरवा समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि वर्तमान में उनके क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य संचालित हो रहे हैं तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से उनके गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना से उनके जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है।

विकसित भारत के लिए मेड इन इंडिया चिप बेहद अहम: पीएम

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देर से शुरुआत, लेकिन तेजी से की प्रगति

सेमीकंडक्टर का प्रमुख केंद्र बनने की राह पर यूपी

3,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत को चिप उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना होगा और देश में एक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का निर्माण हो रहा है। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) में एचसीएल-फॉक्सकॉन संयुक्त उद्यम परियोजना, इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड, के शिलान्यास समारोह में भाग लिया।

पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत की नींव आत्मनिर्भरता के आधार पर रखी जाएगी, जिसके लिए भारत में निर्मित चिप्स का होना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, विकसित भारत का निर्माण तभी होगा जब भारत आत्मनिर्भर होगा। इसके लिए मेड इन इंडिया चिप बेहद महत्वपूर्ण है। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत इस दशक में जो कुछ भी कर रहा है, वह 21वीं सदी में हमारी क्षमताओं की नींव बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि उत्तर प्रदेश भारत के सेमीकंडक्टर सिस्टम का एक प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जहां भी सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित होती है, वहां डिजाइन केंद्र उभरते हैं, स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित होते हैं और नवाचार में तेजी आती है। उन्होंने आज संपन्न हुए इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के बारे में भी बात की।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज भारत विकास के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से प्रगति कर रहा है। मैंने लाल किले से भी कहा है कि भारत के पास रुकने या धीमा होने का समय नहीं है। 2026 की शुरुआत से ही भारत ने अपनी प्रगति में तेजी लाई है और अब यह सप्ताह भी भारत के लिए ऐतिहासिक साबित हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा, एआई शिखर सम्मेलन के लिए विश्वभर के राष्ट्राध्यक्ष और प्रौद्योगिकी जगत के नेता दिल्ली में एकत्रित हुए।

इस शिखर सम्मेलन में दुनिया ने भारत की एआई क्षमता को देखा, हमारे दृष्टिकोण को समझा और उसकी सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा, यह दशक भारत के लिए तकनीकी क्रांति का दशक है। इस दशक में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत जो कुछ भी कर रहा है, वह 21वीं सदी में हमारी ताकत का आधार बनेगा। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत ने भले ही देर से शुरुआत की हो, लेकिन आज हम तेजी से प्रगति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत ने अब तक अपने सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 10 सेमीकंडक्टर निर्माण और पैकेजिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें से चार इकाइयां बहुत जल्द उत्पादन शुरू करने वाली हैं। मानवता के भविष्य को आकार देने वाली हर तकनीक में भारत आज अभूतपूर्व निवेश कर रहा है।

आज सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी भारतीय टीम

अहमदाबाद। ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। भारत ने खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत किया है, लेकिन उसकी असली परीक्षा अब शुरू होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन, केशव महाराज और एडेन मार्करम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी। भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है।

प्रियंका ने कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष और पार्टी पदाधिकारियों के साथ की बैठके

गुवाहाटी। असम में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य की सियासत में गर्माहट तेज है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच कांग्रेस की अहम बैठक के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता रिपुन बोरा ने राज्य में पार्टी की तैयारी को लेकर जानकारी दी।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि हमने असम में चुनाव की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी की राष्ट्रीय नेता प्रियंका गांधी जो असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष हैं, हाल ही में राज्य के दौरे पर आई थीं। रिपुन बोरा ने कहा कि प्रियंका गांधी ने असम में संगठन के हर स्तर के नेताओं से बातचीत की।

ब्राजील के राष्ट्रपति बोले-भारत में छठी बार आकर खुशी हो रही

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने शनिवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। दोनों देशों के बीच तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें भविष्य के लिए डिजिटल साझेदारी, दुर्लभ खनिज के क्षेत्र में सहयोग और इस्पात आपूर्ति श्रृंखला में खनन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौते शामिल हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने कहा, मेरे प्रिय मित्र मोदी, यह मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं इस देश में छठी बार आया हूं। भारत और ब्राजील की मुलाकात अद्वितीय है। हम केवल वैश्विक दक्षिण की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियां नहीं हैं।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद जिला न्यायालय पॉक्सो एक्ट की अदालत ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य दंडी स्वामी प्रत्यक्ष चैतन्य मुकुंदानंद गिरि के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी की अर्जी पर सुनवाई करते हुए स्पेशल कोर्ट ने दिया है। स्पेशल कोर्ट पॉक्सो के न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया की अदालत ने जगद्गुरु ज्योतिष पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ बच्चों का यौन शोषण करने के आरोप में झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य दंडी स्वामी प्रत्यक्ष चैतन्य मुकुंदानंद गिरि के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। न्यायालय ने पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और मामले की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया। न्यायालय के आदेश के बाद अब झूंसी थाने में मामला दर्ज किया जाएगा।

आशुतोष ब्रह्मचारी ने कोर्ट के आदेश पर जताया संतोष

शाकुंभरी पीठाधीश्वर और श्रीकृष्ण जन्मभूमि निर्माण ट्रस्ट के आशुतोष ब्रह्मचारी ने अदालत के आदेश पर संतोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि न्याय के मंदिर से न्याय मिला है। न्यायाधीश ने बच्चों के साथ हुए लैंगिक अपराध के मामले में झूंसी थाने में एफआईआर करते हुए जांच करने का आदेश दिया है। कहा कि सनातन के नाम पर बच्चों का शोषण करने वालों को सजा मिलेगी। कहा कि वह प्रयागराज से विद्या मठ वाराणसी के लिए पैदल यात्रा निकालेंगे।

भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पथराव, एक दूसरे पर फेंके पत्थर

इंदौर (ए)। दिल्ली में एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन घेरने की घोषणा की थी। लेकिन वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी विरोध स्वरूप एकत्र होकर उनका सामना किया।

दोनों तरफ से पत्थर, पानी की बोतलें और टमाटर एक-दूसरे पर फेंके गए। पुलिस ने आमने-सामने हुए दोनों दलों के प्रदर्शनकारियों को हटाकर स्थिति को नियंत्रित किया। इस पथराव में छह लोगों सहित एक मीडियाकर्मी और एक पुलिस अधिकारी को चोटें आई हैं। एक महिला नेत्री बिंदू चौहान को पथराव में गंभीर चोट आई है। उन्हे निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद देशभर में भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय घेरने की योजना बनाई थी। इसके अलावा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा में दिए गए बयान के विरोध में कांग्रेस के प्रदर्शन प्रदेशभर में जारी थे। इसी कारण कांग्रेस कार्यकर्ता दोपहर एक बजे से गांधी भवन पर भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध में जुट गए थे। पुलिस ने संभावित टकराव को देखते हुए मार्ग के दोनों तरफ बैरिकेड लगा दिए थे। लेकिन जैसे ही भाजपा कार्यकर्ता प्रदर्शन करने गांधी भवन की ओर बढ़े, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। वे विजयवर्गीय के खिलाफ नारे लगा रहे थे। तभी अचानक पत्थरबाजी शुरू हो गई।

राम मंदिर की भव्यता देख मंत्रमुग्ध हुए गुयाना के उप राष्ट्रपति

रामलला के दर्शन कर पूजा-अर्चना की

अयोध्या (ए)। गुयाना के उप राष्ट्रपति भारत जगदेव शनिवार को रामनगरी अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने राम मंदिर में रामलला के दर्शन करके पूजा-अर्चना की। वह सुबह करीब 11 बजे प्राइवेट एयरक्राफ्ट से महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट उतरे।

एयरपोर्ट पर शंख बजाने के साथ पारंपरिक अवधी रीति-रिवाजों से मेयर गिरीश पति त्रिपाठी समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। यहां से वह राम मंदिर पहुंचे। वीआईपी गेट नंबर-11 से अंदर गए।

मंदिर ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने मंदिर में उनका स्वागत किया। भारत जगदेव ने भगवान राम के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने अंदर कुबेर टीला और सप्त ऋषि मंदिर समेत दूसरे मंदिरों में भी दर्शन किया।

ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा कि भारत जगदेव दिल्ली में AI इम्पैक्ट समिट में शामिल हुए थे। वहां से वापस गुयाना जाने से पहले रामलला के दर्शन किए। उन्होंने राम मंदिर की शान और चल रहे कंस्ट्रक्शन काम की तारीफ की। इस मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी अपनी टीम के साथ तैनात रहे।

इसके अलावा कमिश्नर राजेश कुमार, डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल सोमेन वर्मा और डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट निखिल टीकाराम फुंडे भी मौजूद रहे।

भारतीय बेटियों का ऐतिहासिक प्रदर्शन, मंधाना-जेमिमा के अलावा अन्य बल्लेबाज रहे फ्लॉप

पहली बार ऑस्ट्रेलिया में जीती टी20 सीरीज, 2-1 से हराया

एडिलेड (ए)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे और निर्णायक मुकाबले में 17 रन से हराकर 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। भारतीय महिला टीम ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टीम इंडिया ने पहली बार टी20 सीरीज जीती है। शनिवार को एडिलेड में खेले गए तीसरे मुकाबले में भारत ने स्मृति मंधाना (82) और जेमिमा रोड्रिग्स (59) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 176 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में भारत के लिए श्री चरणी और श्रेयंका पाटिल ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि अरुंधति रेड्डी ने दो सफलताएं अपने नाम कीं। वहीं, रेणुका सिंह ने एक विकेट झटका।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत ही खराब हुई। श्रेयंका पाटिल ने जॉर्जिया वॉल को रेणुका के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ 10 रन बना पाईं। दूसरा विकेट रेणुका ने नाम किया। उन्होंने बेथ मूनी को पवेलियन भेजा। वह सिर्फ छह रन बना सकीं। भारत के खिलाफ निर्णायक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने सर्वाधिक 57 रनों की पारी खेली जबकि छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इस मैच में एलिस पेरी ने एक, ग्रेस हैरिस ने एक और कप्तान सोफी मोलिनेक्स ने छह रन बनाए। वहीं, किम गार्थ और डार्सी ब्राउन क्रमश- सात और आठ रन बनाकर नाबाद रहीं।

भारत के लिए इस मैच में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने पारी की शुरुआत की। शेफाली हालांकि, ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सकीं और किम गार्थ ने उन्हें अपना शिकार बनाया। शेफाली सात रन बनाकर आउट हुईं। इसे बाद मंधाना और जेमिमा रॉड्रिग्स ने मोर्चा संभाला और शानदार साझेदारी निभाई। इन दोनों ने भारतीय पारी को संभाला। इस दौरान मंधाना ने छक्के के साथ अर्धशतक भी पूरा किया। वहीं, जेमिमा भी पचासा लगाने में सफल रहीं।

मंधाना और जेमिमा के अलावा भारतीय महिला टीम के अन्य बल्लेबाज फ्लॉप रहे और बड़ी पारी नहीं खेल सके। भारत के लिए मंधाना ने सबसे ज्यादा 55 गेंदों पर आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 82 रन बनाए। वहीं, जेमिमा 46 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 59 रन बनाकर आउट हुईं। ऋचा घोष सात गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 18 रन, अमनजोत कौर एक और दीप्ति शर्मा एक रन बनाकर आउट हुईं।

पामेड़ के सुदूर गांवों में पहुंचे विधायक विक्रम मंडावी, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

वनाधिकार पट्टों, बिजली और सड़क की मांग उठी; हर पंचायत को पानी टैंकर देने की घोषणा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीजापुर 7 पामेड़ इलाके के सुदूर गांवों में गुरुवार और शुक्रवार को अलग ही माहौल रहा। विधायक विक्रम मंडावी जब छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा से लगे गांवों में पहुंचे तो लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कई बुजुर्गों ने कहा कि लंबे समय बाद कोई विधायक यहां तक पहुंचा है। तर्रेम, चिन्नागेल्लूर, गुंडम, छुटवाई, कोंडापल्ली, वाटेगुड़ा, काउरगट्टा, जीड़पल्ली, धरमारम, टेकलेर, पामेड़, भीमारम, पुजारी कांकेर, कमलापुर, मारूडबाका, गूंजेपरती, नंबी, गलगम और नड़पल्ली जैसे गांवों में ग्रामीणों ने अपनी दिक्कतें खुलकर बताईं। सबसे ज्यादा मांग जमीन के वनाधिकार पट्टों, बिजली कनेक्शन, सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर रही। कई गांव अब भी अंधेरे में हैं और बच्चों को पढ़ाई के लिए ठीक व्यवस्था नहीं है।विधायक ने हर गांव में बैठकर लोगों की बातें सुनीं। उन्होंने विधायक निधि से प्रत्येक ग्राम पंचायत को एक-एक पानी टैंकर, खेल सामग्री और देवगुड़ी निर्माण के लिए राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पामेड़ भले ही दूर है, लेकिन प्राथमिकता में पीछे नहीं है। ग्रामीणों का भरोसा ही उनकी ताकत है।दौरे में जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर के अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंतराव ताटी, ज्योति कुमार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज अवलम समेत जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। गांव के लोगों ने उम्मीद जताई कि इस बार उनकी समस्याओं पर ठोस कदम उठेंगे।

जल अर्पण कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद राधेश्याम राठिया और कमलेश जांगड़े

ग्राम तिलाईपाली के सरपंच को सौंपा गया जल संरक्षण और सामूहिक उपयोग का दायित्व

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल अर्पण कार्यक्रम में ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

सारंगढ़ - बिलाईगढ/मूक पत्रिका

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल जीवन मिशन अंतर्गत जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सारंगढ़ में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राधेश्याम राठिया सांसद लोकसभा रायगढ़, कमलेश जांगड़े सांसद लोक सभा जांजगीर चांपा, कलेक्टर डॉ संजय कंनोजे, जिला पंचायत के अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, उपाध्यक्ष अजय नायक सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप , सहायक अभियंता बी. एल. खरे, उप अभियंता काशीराम सूर्यवंशी , जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी इंद्रजीत बर्मन, ग्राम पंचायत बटाऊपाली 'ब' के आश्रित ग्राम तिलाईपाली की सरपंच एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी मुख्य अतिथियों का लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। रमाशंकर कश्यप द्वारा अतिथिगणों को सम्बोधित करते हुए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन और जल अर्पण दिवस के बारे में विस्तार से बताया गया। उसके बाद लोक सभा रायगढ़ क्षेत्र के सांसद राधेश्याम राठिया द्वारा सभी को सम्बोधित किया गया। सम्बोधन में उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद देते हुए पानी की महत्ता को समझाया एवं प्रशासन की दूरदर्शी योजना को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने को बढ़ावा भी दिया। सभी मुख्य अतिथियों एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत बटाऊपाली 'ब' के ग्राम तिलाईपाली के सरपंच एवं सचिव को गांव में सही ढंग से जल संरक्षण और उपयोग के लिए जल अर्पण प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

बिना अनुमति ष्छ्धुरिमा तेज आवाज में बजाते पाये जाने पर कोलाहल अधिनियम के तहत की गई वैधानिक कार्यवाही

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, छत्तीसगढ़ कोलाहल अधिनियम, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में 19 फरवरी 2026 को थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा एक वाहन में ष्छ्छ बांध कर बिना अनुमति के ष्छ्छ बजाते पाये जाने पर ष्छ्छ सामान जप्त कर अनावेदक धर्मेन्द्र पात्रे के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। 19 फरवरी 2026 के रात्रि 22:15 बजे परशुराम चौक बेमेतरा में अनावेदक धर्मेन्द्र पात्रे उम्र 35 वर्ष निवासी रांका थाना व जिला बेमेतरा के द्वारा वाहन पिकअप कमांक सीजी 25 सी 8843 में बांध कर साउन्ड बाक्स ष्छ्छ तेज में बजाते पाये जाने से अनावेदक को ष्छ्छ बजाने की अनुमति के संबंध जानकारी लेने पर अनुमति नहीं होना पाया गया। अनावेदक का कृत्य धारा 15 छत्तीसगढ़ कोलाहल अधिनियम के उल्लंघन करना पाये जाने से पिकअप वाहन कमांक सीजी 25 सी 8843, एवं उक्त वाहन में लोड साउन्ड बाक्स डीजे 06 नग, एमपलीफायर 01 नग, जनरेटर एवं स्टेपलाईलर तथा 04 लाईट एवं वाहन के दस्तावेज तथा अनावेदक ड्रायविंग लाइसेंस जप्त कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही की गई हैं।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सउनि जितेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक चंद्रशेखर राजपूत, आरक्षक इंद्रजीत पांडेय सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

जिला पंचायत सीईओ ने 15 मार्च तक मनरेगा कार्य, जून तक पीएम आवास पूर्ण करने के दिए सख्त निर्देश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे ने शुक्रवार को जनपद पंचायत नवागढ़ में आयोजित विस्तृत समीक्षा बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में जनपद सीईओ, सहायक अभियंता, कार्यक्रम अधिकारी सहित सभी तकनीकी सहायक एवं रोजगार सहायकों की उपस्थित थे। बैठक में जिला सीईओ ने कहा कि मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर, अर्थात 15 मार्च तक समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने लंबित कार्यों में तेजी लाने, मजदूरों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने तथा कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यस्थलों पर नियमित निरीक्षण और प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करने कहा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत आवासों में हितग्राहियों को 90 दिवस की मजदूरी सुनिश्चित करने तथा निर्माणाधीन आवासों को जून माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया। जिला सीईओ ने कहा कि आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में जल संचय एवं जनभागीदारी से संबंधित कार्यों की प्रगति पर भी विशेष चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्यों की समय पर पोर्टल एंट्री सुनिश्चित की जाए और युक्तधारा पोर्टल में योजनाओं की कार्ययोजना नियमित अपलोड करना सुनिश्चित करने कहा।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी सभी बच्चों का निःशुल्क खाता खोला गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी में सभी बच्चों का निःशुल्क खाता खोला गया खाता डाक ऑफिस में खोला गया। बच्चे अपने अपने पालक के साथ पूरे डॉक्यूमेंट लेकर आए जिसमें आधार कार्ड पेन कार्ड फोटो आदि ये खाता सभी बच्चों का निःशुल्क खोला गया है। जिसमें पढ़ने वाले बच्चों को शासन स्तर से मिलने वाली सुविधा प्राप्त हो बच्चों को शासन स्तर से छात्रवृत्ति प्राप्त होती है बच्चों को आगामी कक्षा में भी खाता की जरूरत होती है।इस कारण से पहले प्राथमिक स्तर पर निःशुल्क खाता खोला गया है। संस्था प्रमुख श्री चंद्रभान सिंह धुर्वे ने कहा है आज प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी में सभी बच्चों का निःशुल्क खाता खोला गया है। जिसमें बच्चों को शासन स्तर से मिलने वाली सुविधा प्राप्त हो। संस्था से महेश्वर सिंह चंदेल प्रतिमा भंडारी आरती गुप्ता भुनेश्वरी कुंभकार राजिम जायसवाल ललिता कुंभकार अनुसुइया निषाद डाक ऑफिस से मीनाक्षी सेन उपस्थित थे।

एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित, निर्वाचक नामावलियों का एसआईआर सफलतापूर्वक संपन्न, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बैठक में दी गई जानकारी

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कुल 536343 मतदाता पंजीकृत

मतदाता सूची के ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद 4108 मतदाताओं की हुई वृद्धि

778 बीएलओ ने घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर, मतदाताओं के मिलान और मैपिंग का कार्य की

एसआईआर के दौरान नागरिकों के नवीनतम फोटोग्राफभी अंतिम मतदाता सूची में की गई प्रकाशित

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ संजय कंन्नौजे की अध्यक्षता में एसआईआर के अंतिम प्रकाशन के अवसर पर जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक शनिवार को आयोजित की गई, जिसमें प्रतिनिधियों को एसआईआर के अंतिम प्रकाशन की जानकारी दी गई और एक-एक प्रति प्रदाय की गयी। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिला सारगढ़-बिलाईगढ़ में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू किया गया है। राज्य भर में 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए और 4 महीने तक लगातार चले एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के विभिन्न चरणों के प्रभावी संभालन के बाद 21.02.2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई है। मतदाता सूची में अपना नान शामिल कराने या मतदाता सूची से अपना नाम हटवाने से संबंधित दावे और आपत्तियां दिनाक 23.12.2025 से 22.01.2006 के बीच प्रस्तुत किए गये थे। इसके बाद 14 फरवरी 2026 को अंतिम तिथि तक अंतिम पुनरीक्षण किया गया।अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के अवसर पर संजय कन्नौजे, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला सारंगढ- बिलाईगढ द्वारा जिला के सभी नागरिकों को इस अभियान में अभूतपूर्व सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया गया ।निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए 02 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, 63 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों 778 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और 1330 बूथ लेवल एजेंटो सहित कई स्वयं सेवकों की सक्रिय भागीदारी रही है। जिला सारंगढ़ -बिलाईगढ़ के मतदाताओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ है। मीडिया राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

प्रमुख आंकड़े और उपलब्धियां-डिजिटलीकरणः कुल 597801 मतदाताओं में से 532235 मतदाओं से गणना कॉर्न प्राप्त हुए. जिनका पूर्ण रूप से डिजिटलीकरण किया गया।डोर-टू-डोर सर्वे बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा निरंतर घर-घर जा कर सर्व किया गया जिसमें मृत स्थायी रूप से स्थानांतरित और दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाओं (15506) की पहचान की गई।

मतदाताओं की संख्या में बदलाव-प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची से पहले 597801 मतदाता, प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची के प्रकाशन के बाद 532235 मतदाता और अंति मतदाता सूची 536343 मतदाता दर्ज हैं। शुद्ध वृद्धि) प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची के प्रकाशन के बाद अंतिम सूची में 4108 मतदाताओं की वृद्धि हुई है।

प्रक्रिया और पारदर्शिता-एसआईआर की घोषणा के बाद से ही जिला भर के 597801 मतदाताओं को गणना फॉर्म के वितरण से लेकर उनके डिजिटलीकरण का कार्य मिशनमोड पर किया गया। इस दौरान जो गणना फॉर्म मृत मतदाता स्थायी स्थानांतरण या अनुपस्थिति के कारण वापस नहीं मिले. उनकी पुष्टि के लिए बूथ लेवल अधिकारियों और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटो के बीच बैठकें आयोजित की गई।सभी विधानसभा क्षेत्रों में इन बैठकों के अंत में, जिन मतदाता?ओं के गणना फॉर्म वापत नहीं आए उनकी सूची विधानसभा क्षेत्रवार जिला निर्वाचन अधिकारी जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के वेबसाइट http-sÑ//sarangarh-bilaigarh.cg.gov.in और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की वेबसाईट httpsÑ//ceochhattis-garh nic in पर प्रकाशित की गई थी।चार महीने तक चली निरंतर कार्य के बाद 01.01.2026 की अर्हता तिथि के आधार पर 21.02.2026 को जिला सारगढ़-बिलाईगढ़ के सभी नतदान केन्द्रों सहित प्रत्येक निर्धारित स्थानों पर अतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। यह अंतिम मतदाता सूची जिला निर्वाचन अधिकारी जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ की वेबसाईट httpsÑ//sarangarh-bilaigarh.cg.gov.in और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की वेबसाईट https://ceochhat-tisgarh nic.in पर भी उपलब्ध है, जहां मतदाता अपने विवरण जांच कर सकते हैं।

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर विधायक दीपेश साहू ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

बेमेतरा मे प्रदेश स्तरीय संत शिरोमणि श्री रविदास जी की जयंती एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते शनिवार को प्रदेश स्तरीय संत शिरोमणि संत श्री रविदास जी की 649 वीं जयंती एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन छत्तीसगढ़ मेहर समाज द्वारा बेसिक स्कूल मैदान में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। साथ मे प्रदेश अध्यक्ष चर्म शिल्प बोर्ड राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त ध्रुव कुमार मिर्घा रहेद्य कार्यक्रम की अध्यक्षता मेहर समाज के प्रदेश अध्यक्ष खेमराज बाकरे ने की द्य कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रूप मे पूर्व विधायक अवधेश अवधेश सिँह चंदेल व नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा उपस्थित रहे द्य कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। विधायक साहू ने अपने संबोधन में संत रविदास जी के जीवन दर्शन, उनके सामाजिक समरसता, समानता एवं मानवता के संदेशों को आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने जाति-पांति और भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को एकता, भाईचारे और समरसता का मार्ग दिखाया। उनके आदर्शों पर चलकर ही हम एक सशक्त एवं विकसित समाज का निर्माण कर सकते हैं।विधायक श्री साहू ने मेहर समाज द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को संगठित करने, पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने और नई पीढ़ी को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और आपसी सहयोग ही समाज की वास्तविक शक्ति है। कार्यक्रम के अंत में विधायक दीपेश साहू ने सफल आयोजन के लिए समस्त आयोजक समिति एवं मेहर समाज को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस अवसर पर खेमराज बाकरे केंद्रीय अध्यक्ष मेहर समाज, भाजपा जिलाध्यक्ष अजय साहू, पार्षद विकास तंबोली, पार्षद आकिब मलकनी, राकेश मेहर, रामाधार लहरी, बसंत जोशी, गणेश सिवारे, मोहित पाठक,जनपद सदस्य जितेन्द्र मात्रे सहित मेहर समाज के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

छ.ग. कलमकार मंच का वार्षिक अधिवेशन 22 फरवरी को बिलासपुर में

3 पुस्तकों का विमोचन और 115 साहित्यिक हस्तियाँ होंगी सम्मानित

बिलासपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ कलमकार मंच मस्तूरी-बिलासपुर की प्रबन्धकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार 22 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ कलमकार मंच का चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन हॉटल सेप्रॉन, टेलीफेन एक्सचेंज रोड बिलासपुर में सम्पन्न होगा। यह कार्यक्रम राजेन्द्र रंजन गायकवाड़ वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व केन्द्रीय जेल अधीक्षक, छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य आतिथ्य, मंगत रवीन्द्र वरिष्ठ साहित्यकार की अध्यक्षता तथा रामनाथ साहू वरिष्ठ साहित्यकार के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न होगा। इस अधिवेशन में राष्ट्रीय अलंकरण को मिलाकर कुल 13 क्षेत्रों में 115 कलमकारों, लोक गायकों एवं जानी-मानी हस्तियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। ये सम्मान अग्रलिखित क्षेत्रों में प्रदान किए जाएंगे- राजा गुरु बालक दास साहित्य सम्राट सम्मान राजेन्द्र रंजन गायकवाड़ को, लक्ष्मण मस्तुरिया साहित्य मनीषी सम्मान मंगत रवीन्द्र को, ई.वी. रामासामी पेरियार साहित्य क्रान्ति सम्मान रामनाथ साहू को, दयाराम टंडन ज्ञान रत्न सम्मान श्री सुरेश कुमार चन्द्रा पूर्व सैनिक एवं वरिष्ठ साहित्यकार को, प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले शिक्षा ज्योति सम्मान कुमारी गरिमा पोयाम शिक्षिका को, नकुल देव ढीढी साहित्य भास्कर सम्मान दिलीप कुमार खोटे 'आशु' व्याख्याता एवं वरिष्ठ साहित्यकार को, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कला कौशल सम्मान देवेन्द्र मल्होत्रा लोक गायक को, ममतामयी मिनीमाता कला प्रतिभा सम्मान श्रीमती किरण भारती अनन्त लोक गायिका को, महात्मा ज्योतिबा फुले साहित्य प्रचार सम्मान राजेन्द्र कश्यप संपादक एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी को, सरहस-जोधाई शौर्य सम्मान गंगा प्रसाद बंजारे, से.नि. पुलिस उप निरीक्षक और विजय कुमार सुरक्षित पुलिस सहायक उप निरीक्षक बिलासपुर को संयुक्त रूप से, सफुरा माता वात्सल्य शक्ति सम्मान श्रीमती कांति चौधरी, से.नि. महिला बाल विकास पर्यवेक्षक एवं श्रीमती नम्रता वर्मा महिला बाल विकास पर्यवेक्षक गरियाबन्द को संयुक्त रूप से, सुभद्रा माता चिकित्सा सेवा सम्मान श्रीमती के. संध्या नेताम नर्सिंग ऑफिसर आन्ध्रप्रदेश को प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा कलमकार साहित्य-शक्ति अलंकरण संयुक्त राज्य अमेरिका के ÷वाइस ऑफ मानवता÷ चैनल के चीफ मेघराज सिंह सहित भारत संघ के 101 साहित्यकारों को प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर तीन पुस्तकों का विमोचन भी होगा। इसमें ÷कलम मेरे साथी÷ - राष्ट्रीय साझा काव्य संग्रह और डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति की 2 कृतियाँ क्रमशः ÷सतनाम धर्म और उनके पन्थ÷ तथा ÷सतनाम प्रकाश÷ शामिल हैं। डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति के सम्पादन तथा छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के तत्वावधान में प्रकाशित 242 पृष्ठ की पुस्तक ÷कलम मेरे साथी÷ में 64 साहित्यकारों के जीवन-वृत्त तथा उनकी श्रेष्ठ रचनाओं का शानदार संकलन हैं। उक्त जानकारी छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति साहित्य वाचस्पति, उपाध्यक्ष जुगेश बंजारे धीरज, सचिव नवीन कुमार कुर्रे तथा प्रचार सचिव मणिशंकर दिवाकर 'गदगद' द्वारा संयुक्त रूप से दी गई है।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोसीर का निरीक्षण कर लिया स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आए मरीजों से सीधे संवाद कर पूछा उनका हालचाल

कलेक्टर ने कोसीर सेक्टर का बैठक लेकर फील्ड स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की पोस्टिंग करने सीएमएचओ को निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौज ने शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोसीर का आवश्यक निरीक्षण कर वहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लैब, ड्रेसिंग, प्रसव, स्टोर, ओपीडी आईपीडी आदि कक्ष और दवा भंडार केंद्र का निरीक्षण कर दवा की उपलब्धता की जानकारी ली। कलेक्टर ने वहां मरीज का अच्छे प्रकार से इलाज हो रहा है कि नहीं को परखने इलाज के लिए आए मरीजों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य केंद्र के संबंध में जानकारी लिया। वहां डॉक्टर नहीं होने से इलाज में असुविधा होने की जानकारी देने पर शुगर की दवा नहीं होने की बात बताने पर कलेक्टर कन्नौजे ने सीएमएचओ को तत्काल इसकी व्यवस्था करने के निर्देश दिए ताकि कोसीर क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिल सके। डॉ संजय कन्नौजे स्वास्थ्य सेवाओं को निचले स्तर तक दुरुस्त करने लगातार प्राथमिक एवं स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण और जानकारी लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरे में उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण और बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए, जिसमें डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, सीएमएचओ डॉक्टर निराला एवं बीएमओ सारंगढ़ उपस्थित थे।कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने सेक्टर मीटिंग लेकर फील्ड स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं का सीधे जानकारी लिया कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कोसीर एरिया के 9 सेक्टर के आरएचओ डॉक्टर, सीएचओ, सुपरवाइजरों की स्वास्थ्य मीटिंग लेकर गर्भवती माता के पंजीयन, आयुष्मान कार्ड, शुगर, बीपी, टीबी, कुष्ठ के गैर संचारी बीमारियों के चिन्हांकन कर उसका आरसीएच 2 पोर्टल में एंट्री कर उसका इलाज करने के निर्देश दिए।

मांता हिंगलाजिन मंदिर गिरोला में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, बकावंड पुलिस को बड़ी सफलता

बस्तर /मूक पत्रिका

जिले के बकावंड थाना क्षेत्र अंतर्गत गिरोला स्थित मांता हिंगलाजिन मंदिर में हुई चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन और तीन हजार रुपये नगद बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपी का नाम नवीन हरिजन उर्फबुद्धू, पिता स्वर्गीय रघुनाथ हरिजन, उम्र 36 वर्ष, निवासी किरमागुड़ा, थाना बिसिंगपुर, वर्तमान निवास ग्राम डबली कोटा, थाना जयपुर, जिला कोरापुट (ओडिशा) बताया गया है।क्या था मामला- दिनांक 7-8/09/2025 की रात लगभग 10:00 बजे से सुबह 6:00 बजे के बीच गिरोला गांव स्थित हिंगलाजिन माता मंदिर से अज्ञात आरोपियों द्वारा दो सोने के हार, एक सोने की नथनी एवं एक छोटा चांदी का मुकुट चोरी कर लिया गया था।इस संबंध में बकावंड थाना में अपराध क्रमांक 53/25 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई थी। पुलिस अधीक्षक बस्तर द्वारा अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी एवं पतासाजी हेतु इनाम की घोषणा भी की गई थी।

तकनीकी साक्ष्यों से मिली सफलता-जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश के लिए एक टीम ओडिशा राज्य भी भेजी गई। पुलिस अधीक्षक बस्तर के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित कर लगातार धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा था।दिनांक 21.02.2026 को पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली, जिस पर कार्रवाई करते हुए ओडिशा सीमा से लगे धरिनीगुड़ा कोरटा गांव के जंगल में घेराबंदी कर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम नवीन हरिजन उर्फ बुद्धू बताया और अपने साथियों टूना हरिजन व माधव हरिजन के साथ मिलकर मंदिर से सोने-चांदी के गहने चोरी करना स्वीकार किया।आरोपी ने बताया कि चोरी के गहनों को बेचकर प्राप्त रकम आपस में बांट ली गई थी। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अन्य दो आरोपी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।इन अधिकारियों की रही अहम भूमिकाइंस्पेक्टर ङ्क विकेश तिवारीसहायक उपनिरीक्षक ङ्क मधुसूदन सिंह ठाकुरहेड कांस्टेबल ङ्क नकुल नाथ कश्यप आरक्षक ङ्क भीष्म ठाकुर, गौरव ठाकुर, भोलाराम बघेलसायबर टीम ङ्क निरीक्षक लीलाधर राठौड़, सुरेश जागड़, उपनिरीक्षक प्रमोद सिंह ठाकुर, प्रधान आरक्षक खेदूराम ठाकुर, मोरेश्वर गुप्ता, मौसम गुप्ता, आरक्षक प्रदीप कश्यप, सोनू भदोरिया, जागेश्वर युवराज, महेश पटेल, कृष्णा एवं डीआरजी टीमपुलिस द्वारा मामले में आगे की जांच जारी है तथा फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

अवैध रेत खनन के विरोध में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, जिला खनिज अधिकारी का पुतला दहन

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर जिले में जारी अवैध रेत खनन के विरोध में जिला युवा कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए जिला खनिज अधिकारी का पुतला दहन किया। यह कार्यक्रम जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र दुबे के निर्देशानुसार तथा शहर अध्यक्ष जीशान अली के नेतृत्व में दुर्गुकोंदल क्षेत्र में आयोजित किया गया।

युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रेत खनन जारी है, जिससे शासन को राजस्व की हानि हो रही है तथा पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जिला खनिज अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी की और कड़ी नाराजगी जताई। इस दौरान विजय यादव (पूर्व पार्षद), उदय प्रकाश शर्मा, डुकू साहू, शेख गजफिर, सोमेश सोनी, पार्षद मतीन खान, बाबा ठाकुर, सूरज सोनकर, प्रतीक मेश्राम, अभय राय, फैजल खान, निर्भय राय, अंकित ठाकुर, अखलेश, रहन, अर्थ, आकाश, आरिफ रिवा, नितेश, ऋतिक, अमन खान, नावेद खान, अफजल, फैज खान सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। युवा कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही अवैध रेत खनन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा।

रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए राजस्व, पुलिस और खनि अधिकारियो को आदेश जारी

मुख्य्य सचिव के निर्देश पर लगातार जांच करने संयुक्त दल को मिला आदेश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

राज्य सरकार के मुख्य सचिव से हुई विस्तृत चर्चा में जिला सारंगढ़- बिलाईगढ अंतर्गत गौण खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुये कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं, जिस पर मुख्य सचिव द्वारा लगातार जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स, संयुक्त दल को आवश्यक पुलिस बल के साथ कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। इस तारतम्य में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बीते शुक्रवार को सम्पूर्ण जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ में अधिकारियों के प्रभार क्षेत्र में अपने कर्तव्यों के साथ - साथ जिले में गौण खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु अस्थाई तौर पर आदेश जारी किया है। सारंगढ़ तहसील में बजरंग पैकरा, सहायक खनि अधिकारी, वर्षा बंसल, अनुविभागीय अधिकारी (रा.), स्नेहिल साहू, अनुविभागीय अधि.(पु.), प्रकाश पटेल तहसीलदार, कामिल हक थाना प्रभारी सारंगढ़ शामिल है। इसी प्रकार बरमकेला तहसील में पुष्पेन्द्र राज तहसीलदार अजीब कुमार बेगा थाना प्रभारी बरमकेला, भगवती कुर्रे थाना प्रभारी डोंगरीपाली, सरिया तहसील में कोमल साहू, तहसीलदार, प्रमोद यादव थाना प्रभारी सरिया, कोसीर उप तहसील में शनि पैकरा तहसीलदार, सुनीता नाग थाना प्रभारी कोसीर , बिलाईगढ़ तहसील में प्रफुल्ल रजक, अनुविभागीय अधिकारी (रा.), विजय ठाकुर, अनुविभागीय अधि.(पु.) बिलाईगढ़, कमलेश सिदार तहसीलदार बिलाईगढ़, राजेश चन्द्रवंशी थाना प्रभारी बिलाईगढ़, भटगांव तहसील में निलिमा अग्रवाल तहसीलदार, शिवकुमार धारी थाना प्रभारी भटगांव, अमृत भार्गव थाना प्रभारी सलिहा, सरसींवा तहसील में आयुष तिवारी, तहसीलदार, बीना यादव थाना प्रभारी सरसींवा, संजय नायक चौकी प्रभारी बेलादुला शामिल है।

शिवसेना ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लंबित वेतन भुगतान करने हेतु सौंपा ज्ञापन

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:-कांकेर शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने दैनिक भोगी कर्मचारी को लंबित भुगतान नहीं होने पर कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त को औपचारिक ज्ञापन सौंपा। शिवसेना नेता ने बताया जिले के आश्रम /छात्रावास में कार्यरत हजारों दैनिकभोगी कर्मचारी को लंबे समय 6 महीने से वेतन न मिलने पर गंभीर चिंता जताई है। जिले के विभिन्न शासकीय आश्रम व छात्रावास में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी लंबे समय से अपने हक के वेतन पाने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। सहायक आयुक्त कार्यालय में संपर्क करने पर बजट नहीं का हवाला दिया जाता है। काफी समय से वेतन न मिलने से कर्मचारियों में भारी असंतोष है वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों के सामने परिवार चलाने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के घरों में भूखा मरने की नौबत आ गई है। उन्होंने आगे कहा उच्च अधिकारियों, कर्मचारियों को एक महीने का वेतन नहीं मिलने से हाहाकार मच जाती है और यहां वेतनभोगियों को पिछले 6 माह से वेतन नहीं मिल रहा है सोचने वाली बात है वें कैसे काम करते होंगे, बच्चे क्या खाते होंगे, और पढ़ाई एवं घरेलू दैनिक उपयोगी सामग्री व्यवस्था करने में कितने दिक्कत आ रही होगी। दुबे ने आगे कहा आदिवासी बच्चों की देखभाल करने वाले इन कर्मठ कर्मियों को उनका वेतन न मिलना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है त्योहारों के समय भी वेतन न मिलना अमानवीय है। जबकि दैनिक भोगी कर्मचारी लंबे घंटे कार्य करते हैं कभी-कभी असुरक्षित परिस्थितियां, और शोषण से बहुत कम सुरक्षा। कई लोग इस बात से डरते हैं की आवाज उठाने से उन्हें भविष्य में नौकरी गंवाना पड़ सकता है। जबकि नियमित वेतन न होने से भविष्य की योजना बनाना मुश्किल हो जाता है खराब मौसम या मंदी के दौर में आएं शून्य हो जाती है अधिकांश लोगों को स्वास्थ्य बीमा, सवेतन अवकाश या सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिलता एक दुर्घटना उनकी सारी बचत को खत्म कर सकता है। कर्मचारियों की दैनिक आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने कहा लंबित वेतन का अविलंब एक मुस्त भुगतान किया जाएं, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित किया जाएं, कर्मचारी श्रम सम्मान निधि पूर्व की तरह बिना भेदभाव करते हुए सभी कर्मचारियों को प्रदाय किया जाएं, आगे से समय पर भुगतान-सुनिश्चत करने की व्यवस्था की जाएं, साथ ही शीतल ठाकुर एवं संतोषी मंडावी की लंबित भुगतान तत्काल किया जाएं नहीं तो शिवसेना दैनिक भोगी कर्मचारी को साथ लेकर आंदोलन करने बाध्य होगी। जिसके सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिला प्रशासन के निशुल्क तेजस कोचिंग में पढ़ रहे युवाओं को दिए सफलता के टिप्स

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए संचालित तेजस कोचिंग का कलेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ में जिला खनिज न्यास मद से जिला प्रशासन द्वारा संचालित निशुल्क तेजस कोचिंग का कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शनिवार को आकस्मिक निरीक्षण कर वहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से सीधे संवाद का युवाओं से कोचिंग की पढ़ाई के संबंध में जानकारी लिया और कोचिंग में पढ़ाए जा रहे शिक्षक की शिक्षा की गुणवत्ता की जानकारी लिया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा उपस्थित थे। कलेक्टर ने तेजस कोचिंग के विद्यार्थियों से सीधा बातचीत कर बताया कि आप सभी कोचिंग में पूरी ईमानदारी एवं अच्छे से अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि यह समय ही होता है जब आप पूरी लगन एवं मेहनत से प्रयास करते हैं तो जीवन में जो भी लक्ष्य तय किए है कि है, उसे आप हासिल कर सकते हैं। आप तीन-चार लोगों का ग्रुप बनाकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें।

कोचिंग संस्था केवल आपको बेसिक चीज पढ़ा सकते हैं किंतु आपको और मेहनत करना होगा तभी आप प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकते हैं। कोचिंग क्लास में नियमित रूप से आए सभी युवाओं को कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने मार्गदर्शन दिया।

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक परीक्षा हेतु पृथक से क्लास की मांग

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक परीक्षा हेतु पृथक से क्लास की मांग किए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित कोचिंग संचालक को निर्देश दिए कि जो बच्चे इसका पृथक से कोचिंग कर है उनका पृथक से क्लास लेवें।

स्वच्छता, जल संरक्षण, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अधोसंरचना कार्यों की प्रगति की समीक्षा

सीईओ ने राज्यपाल गोद ग्राम टेमरी में विकास एवं निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्रीमती प्रेमलता पदमाकर द्वारा बीते शनिवार को राज्यपाल रमेन डेका के गोद ग्राम टेमरी का विस्तृत निरीक्षण कर विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। पंचायत भवन में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, स्व सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्राम स्तरीय स्वच्छता समूह के सदस्यों से संवाद कर ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों एवं आवश्यक सुधारों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शीघ्र पूर्णता के निर्देश-निरीक्षण के दौरान सीईओ ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अपूर्ण आवासों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत अमले को निर्देशित किया गया कि पात्र हितग्राहियों को समय पर किस्तों का भुगतान सुनिश्चित करें तथा निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी हितग्राही का आवास लंबित नहीं रहना चाहिए और सभी स्वीकृत आवासों को अभियान मोड में पूर्ण किया जाए।

घर-घर कचरा संग्रहण एवं स्वच्छता पर विशेष बल-सीईओ ने घर-घर कचरा संग्रहण कार्य की समीक्षा करते हुए डोर-टू-डोर कलेक्शन की नियमितता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सूखा एवं गीला कचरा पृथक्करण, कंपोस्ट पिट निर्माण एवं प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। स्व सहायता समूह की महिलाओं को स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर ग्राम को पूर्णतः स्वच्छ बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

बहते पानी की रोकथाम एवं जल संरक्षण पर निर्देश-ग्राम भ्रमण के दौरान नालियों में बहते पानी को देखते हुए सीईओ ने जल संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से बहते पानी को रोकना, सोखता गड्ढों एवं रिचार्ज पिट का निर्माण कराना तथा जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखना अत्यंत आवश्यक है, जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित हो सके।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता-पंचायत भवन, सीसी रोड, नाली निर्माण एवं अन्य अधोसंरचना कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच की गई। तकनीकी अमले को निर्देशित किया गया कि सभी कार्य शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

जनसंवाद एवं योजनाओं की समीक्षा-सीईओ ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं जैसे जल जीवन मिशन, मनरेगा, पेंशन योजना एवं अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि राज्यपाल गोद ग्राम टेमरी को स्वच्छ, सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर ग्राम के रूप में विकसित करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का सक्रिय सहयोग आवश्यक है।निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संपादकीय

खाने की कीमत पूरी लेकिन थाली में भरोसे की कमी

खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। भारतीय रेलवे के बारे में अक्सर यह दावा किया जाता है कि इसके समग्र संचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा के समकक्ष बनाया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हादसों, सफर के दौरान निर्धारित समय पर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से लेकर ट्रेन के भीतर साफ-सफाई और खानपान के मामले में कई बार स्थिति बेहद दयनीय और खराब दिखती है।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगे-से रह जाते हैं। खबरों के मुताबिक, हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे के खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।खाने में तिलचट्टा, दूसरे कीड़ों या अखाद्य वस्तुओं के मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। साथ ही, भोजन की मात्रा और तय कीमतों से ज्यादा राशि वसूलने की समस्या भी आम देखी जा सकती है। सवाल है कि अगर उच्च गुणवत्ता और सेवा का दावा करके खाने-पीने के मामले में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, तो उसे कैसे देखा जाएगा।सफर के दौरान यात्री थोड़ी सुविधा के लिए ट्रेन में मिलने वाला खाना पैसा चुका कर लेना चाहते हैं। कई ट्रेनों में सफर के दौरान टिकट के साथ खाने-पीने के सामान के लिए राशि चुकाने का भी विकल्प है। मगर विडंबना यह है कि पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कई लोगों की थाली में ऐसा खाना होता है, जिसे खाया नहीं जा सकता।ट्रेनों में मिलने वाले खराब खाने को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं और कई बार विवाद भी होते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई, जिनमें भोजन के खराब होने पर आपत्ति जताने पर ट्रेन में मौजूद कर्मियों ने यात्री से दुर्व्यवहार किया।खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। ऐसे भी मामले होंगे, जिनमें किसी यात्री को खराब भोजन मिला, लेकिन उसने औपचारिक शिकायत नहीं की। डिजाइन किए गए रसोई से खाना बनवाने और ट्रेनों तक पहुंचाने से लेकर खाना बनाने पर निगरानी, खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक की तैनाती और अच्छी सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है।

सवाल यह है कि क्या इशान किशन को अच्छे प्रदर्शन के बाद ड्रॉप करना टीम मैनेजमेंट का फैसला सही था। दो साल तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौका नहीं देना क्या इशान किशन के साथ अन्याय हुआ। दो साल तक भारतीय टीम से बाहर रहने के बाद सात टी20 इंटरनेशनल मैचों में 53.28 के औसत और 215.6 के स्ट्राइक रेट से 373 रन। इशान किशन की वापसी के बाद के ये आंकड़े स्वाभाविक रूप से चयन प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हैं। क्या 2023 के बाद उन्हें बाहर रखना उस समय की रणनीतिक जरूरत थी या टीम मैनेजमेंट ने एक संभावित मैच-विजेता को जरूरत से ज्यादा लंबा इंतजार कराया? जनवरी 2026 में वापसी के बाद से उनकी निरंतरता और आक्रामक बल्लेबाजी ने इस बहस को फिर से प्रासंगिक बना दिया है। अब चर्चा सिर्फ उनके प्रदर्शन की नहीं, बल्कि चयन में निरंतरता और जवाबदेही की भी हो रही है। नवंबर 2023 की उस सीरीज पर नजर डालें तो तस्वीर एकतरफा नहीं दिखती। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टी20 में वह खाता नहीं खोल पाए, लेकिन उससे पहले दो मुकाबलों में अर्धशतक जड़ चुके थे।

दो साल बाहर, फिर 7 मैच में 373 रन, इशान किशन को टीम से बाहर करने वालों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए

(आलोक श्रीवास्तव)

ऐसे में सवाल यह है कि क्या एक असफल पारी निर्णायक साबित हुई या टीम मैनेजमेंट उस समय किसी अलग संयोजन और दीर्घकालिक योजना पर काम कर रहा था? भारतीय टीम में प्रतिस्पर्धा हमेशा कड़ी रही है, जहां हर स्थान के लिए कई दावेदार होते हैं। हर सीजन नए चेहरे उभरते हैं, टीम कॉम्बिनेशन बदलता है, कप्तान की सोच बदलती है और भविष्य की योजनाएं भी। हालांकि, इस जटिल ढांचे के बीच एक मूलभूत सवाल हमेशा कायम रहता है, क्या हर खिलाड़ी को समान मौके और निरंतरता मिलती है? इशान किशन का मामला इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

2023= प्रदर्शन था, भरोसा नहीं: 28 नवंबर 2023, गुवाहाटी= ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मुकाबला। इशान खाता नहीं खोल पाए। स्कोरकार्ड में '0' दर्ज हुआ। यही उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। उसी सीरीज के पहले दो मुकाबलों में उन्होंने अर्धशतक लगाए थे। यानी फॉर्म पूरी तरह से गायब नहीं थी। एक खराब पारी के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और फिर लगभग दो साल तक वापसी का रास्ता बंद रहा।

यहां सवाल प्रदर्शन का कम और भरोसे का ज्यादा है। क्या चयनकर्ताओं ने उस समय यह मान लिया था कि इशान टीम की दीर्घकालिक योजना में फिट नहीं बैठते? या फिर टीम मैनेजमेंट किसी अलग टेम्पलेट पर काम कर रहा था, जिसमें पावरप्ले आक्रामकता से ज्यादा स्थिरता को प्राथमिकता दी जा रही थी?

2024-2025= नहीं मिले मौके: दो साल का अंतरराष्ट्रीय ब्रेक किसी भी खिलाड़ी के करियर में बड़ा होता है। इस दौरान नए बल्लेबाज उभरे, टीम में संयोजन बदले, कप्तानी में भी बदलाव आया। टी20 प्रारूप में जहां लय और आत्मविश्वास सबसे अहम होते हैं, वहां निरंतर मौके न मिलना खिलाड़ी की मानसिकता पर असर डाल सकता है। हालांकि, घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में इशान किशन ने खुद को चर्चा में बनाए रखा। यह संकेत था कि उनकी क्षमता पर संदेह नहीं, बल्कि चयन का समीकरण अलग था।

2026= वापसी और आंकड़ों की ताकत: इशान किशन ने 21 जनवरी 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। इससे पहले उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को खेला था, जो गुवाहाटी में ऑस्ट्रेलिया के

खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबला था।

उस मैच में इशान किशन अपना खाता नहीं खोल पाए थे। हालांकि, उससे पहले सीरीज के दोनों टी20 मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाए थे, इसके बावजूद उन्हें ड्रॉप कर दिया गया था और करीब दो साल तक उन्हें टीम में जगह नहीं दी गई।

अब जनवरी 2026 में वापसी के बाद से इशान किशन ने 15 फरवरी 2026 तक सात टी20 इंटरनेशनल मैच खेले, जिसमें 53.28 के औसत और 215.6 के स्ट्राइक रेट से 373 रन बनाए। टी20 क्रिकेट में 200 से ऊपर का स्ट्राइक रेट सिर्फ आक्रामकता नहीं, मैच पर नियंत्रण का संकेत है।

यह बताता है कि बल्लेबाज सिर्फ टिक नहीं रहा, बल्कि खेल की दिशा तय कर रहा है। इशान ने पावरप्ले में जोखिम उठाया, गेंदबाजों को लंबाई बदलने पर मजबूर किया और मध्यक्रम को खुलकर खेलने का मंच दिया। यह भूमिका आधुनिक टी20 में अत्यंत मूल्यवान है।

चयन की दुविधा= निरंतरता बनाम प्रयोग: भारतीय टीम में प्रतिस्पर्धा असाधारण है। हर स्थान के लिए कई दावेदार हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं को भविष्य, फिटनेस, टीम संतुलन और रणनीतिक लचीलापन- सब पर एक साथ नजर रखनी पड़ती है।

संभव है कि 2023 के बाद टीम मैनेजमेंट किसी ऐसे सलामी संयोजन पर काम कर रहा हो जो अलग प्रकार का संतुलन देता हो। यह भी संभव है कि इशान को बैकअप विकल्प के रूप में देखा गया हो।

हालांकि, यहां एक व्यापक मुद्दा यह है कि क्या हर खिलाड़ी को 'लंबे समय से मौके' मिलते हैं? इतिहास गवाह है कि कुछ नाम लगातार औसत प्रदर्शन के बावजूद मौके पाते रहते हैं, जबकि कुछ को छोटी चूक महंगी पड़ जाती है। यह असंतुलन ही बहस की जड़ है। इस प्रश्न का सीधा उत्तर देना आसान नहीं। चयन हमेशा उस समय की जरूरतों और उपलब्ध विकल्पों पर आधारित होता है। साल 2023 में टीम शायद अलग संतुलन चाहती थी। हालांकि, 2026 के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि इशान किशन जैसे प्रोफाइल का बल्लेबाज टी20 रणनीति में निर्णायक साबित हो सकता है। अगर वही आक्रामकता 2024 या 2025 में टीम के पास होती, तो क्या कुछ करीबी मुकाबलों का परिणाम अलग हो सकता था? यह एक काल्पनिक सवाल है, लेकिन तर्कसंगत है।

खिलाड़ियों के लिए चयन सिर्फ अवसर नहीं, संदेश भी होता है। जब किसी को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाता है तो यह संकेत जाता है कि उसकी भूमिका स्पष्ट नहीं है। इशान किशन की वापसी और उसके बाद का प्रदर्शन 'प्रमाण' है कि प्रतिभा को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।

हालांकि, यह भी सच है कि हर खिलाड़ी वापसी पर इतनी मजबूती से नहीं लौट पाता, इसलिए यह मामला सिर्फ एक बल्लेबाज का नहीं, बल्कि चयन प्रणाली के दृष्टिकोण का भी है। क्या टीम मैनेजमेंट युवा खिलाड़ियों को असफलता के बाद दोबारा उठने का पर्याप्त समय देता है?

सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में प्रशंसक इसे अन्याय मान रहे हैं। उनके अनुसार, जिस खिलाड़ी ने वापसी के बाद इतनी विस्फोटक बल्लेबाजी की, उसे दो साल तक बाहर रखना गलत था। हालांकि, चयन कक्ष में फैसले भावनाओं से नहीं, योजनाओं से होते हैं। वहां आंकड़ों के साथ-साथ फिटनेस रिपोर्ट, ड्रेसिंग रूम समीकरण, आगामी टूर्नामेंट की रणनीति के साथ-साथ व्यवहार भी मायने रखता है। फिर भी पारदर्शिता की कमी हमेशा संदेह को जन्म देता है। जब चयन के कारण सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं होते, तो अटकलें स्वाभाविक हैं।

आगे का रास्ता खिलाड़ियों और चयनकर्ताओं की अब असली परीक्षा निरंतरता की है। क्या इशान किशन को लगातार मौके मिलेंगे? क्या टीम उन्हें स्पष्ट भूमिका देगी, ताकि वह बिना असमंजस के खेल सकें? टी20 क्रिकेट में आक्रामक सलामी बल्लेबाज मैच की धुरी बन सकता है। अगर इशान किशन इसी लय को बरकरार रखते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। निष्कर्ष-इशान किशन का मामला 'सही या गलत' का सरल समीकरण नहीं है। साल 2023 का फैसला उस समय की रणनीति का हिस्सा रहा होगा, लेकिन 2026 का प्रदर्शन यह साबित करता है कि प्रतिभा को समय पर अवसर मिलना कितना महत्वपूर्ण है।यह कहानी भारतीय क्रिकेट में चयन की संवेदनशीलता, प्रतिस्पर्धा की तीव्रता और धैर्य की आवश्यकता तीनों को सामने लाती है। अंततः सवाल यही है= क्या दो साल का इंतजार आवश्यक था या यह वह अवधि थी जिसमें भारतीय टीम एक संभावित मैच-विजेता की सेवाओं से वंचित रही? जवाब समय देगा, लेकिन बहस अभी खत्म नहीं हुई है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

(संतोष कुमार पाठक)

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे।

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है। दुनियाभर के दिग्गजों के साथ-साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज़्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट में एआई मॉडल्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मसार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव-भाव देखने लायक है।इसका नाम 'ओरियन' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। सरकारी चैनल सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर-शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है। दरअसल, यह बिल्कुल सही समय आ गया है कि सरकार पहले की तरह सरकारी स्कूल, कॉलेज और विश्विद्यालयों में शिक्षा हासिल कर रही प्रतिभाओं को हर तरह से उभारने में मदद करें। इन संस्थानों में फीस और लालफीताशाही दोनों कम होनी चाहिए, जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और करप्शन पर हर हाल में लगाम होनी चाहिए। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आखिर भारत की एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां अमेरिका-चीन की तुलना में ज्यादा समावेशी हैं?

भारत की एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां अन्य देशों से मुख्य रूप से समावेशी, ओपन-सोर्स और ग्लोबल साउथ-केंद्रित दृष्टिकोण से भिन्न हैं। जहां अमेरिका और चीन दिव्य भास्कर को प्रमुख कंपनियों के एकाधिकार के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं, वहीं भारत सार्वजनिक संसाधनों (जैसे ऐरावत पर एलएलएएमए मॉडल्स) को एआई के जरिए सस्ता उपलब्ध कराता है। भारत की एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां दुनिया के अन्य देशों यानी अमेरिका-चीन-यूरोप की तुलना में ज्यादा समावेशी, ओपन-सोर्स और ग्लोबल साउथ-केंद्रित हैं।

(कमलेश पांडे)

भारत का दृष्टिकोण सर्वथा भिन्न और लोककल्याणकारी है। जहां अमेरिका और चीन एआई को प्रमुख कंपनियों के एकाधिकार के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं, वहीं भारत सार्वजनिक संसाधनों (जैसे ऐरावत पर एलएलएएमए मॉडल्स) को एआई के जरिए सस्ता उपलब्ध कराता है।

यही वजह है कि भारत बनाम अन्य देश की विशेषताओं के दृष्टिगत पारस्परिक होड़ जारी है, खासकर भारत, अमेरिका, चीन व यूरोप के बीच। क्योंकि भारत का फोकस किसान, छात्र, स्टार्टअप्स के लिए भाषिणी, किसान ई-मित्र जैसे क्षेत्रीय अनुप्रयोग हैं, जबकि अमेरिका, चीन व यूरोप में बड़े टेक दिग्गजों का वर्चस्व है जो सख्त जोखिम नियमन से परेशान दिखाई देते हैं।

यही वजह है कि नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रस्तावित एआई लोकतंत्रीकरण के लिए नीतिगत सिफारिशें मुख्य स्थान रखती हैं, क्योंकि ये सिफारिशें प्रमुख रूप से सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती और सुलभ बनाने पर केंद्रित होंगी। ऐसा इसलिए कि ये सिफारिशें ग्लोबल साउथ के देशों के लिए ओपन-सोर्स मॉडल्स, कम लागत वाली कंप्यूटिंग और कौशल विकास को बढ़ावा देंगी। पहला, एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण= डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष) द्वारा एपीआई-आधारित सस्ते एआई मॉडल्स (जैसे एलएलएएमए) को उपलब्ध कराना, ताकि स्टार्टअप्स, किसान और छात्र लाभान्वित हों। दूसरा, जोखिम-आधारित शासन= इंडिया एआई गवर्नेंस दिशानिर्देशों के अनुरूप उच्च-जोखिम एआई के लिए सुरक्षा उपाय, मौजूदा कानूनों (आईटी अधिनियम, डीपीडीपी) पर आधारित बिना नए नियामक निकाय। तीसरा, समावेशी इकोसिस्टम= भाषिणी जैसे प्लेटफॉर्म्स से क्षेत्रीय भाषाओं में एआई कंटेंट, टियर-2/3 शहरों में नवाचार को प्रोत्साहन। जहां तक इनके अपेक्षित प्रभाव की बात है तो ये सिफारिशें एआई एकाधिकार को तोड़कर भारत को ह्यूमन-सेंट्रिक एआई मॉडल के रूप में स्थापित करते हुए रोजगार सृजन और सतत विकास सुनिश्चित करेंगी। समिट के चक्रों से निकलने वाली ये प्रतिबद्धताएं वैश्विक मानक बनेंगी। प्र एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां अन्य देशों से कैसे भिन्न हैं? समझिए भारत की एआई लोकतंत्रीकरण नीतियां अन्य देशों से मुख्य रूप से समावेशी, ओपन-सोर्स और ग्लोबल साउथ-केंद्रित दृष्टिकोण से भिन्न हैं। जहां अमेरिका और चीन= ढ्ढ को प्रमुख कंपनियों के एकाधिकार के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं, वहीं भारत सार्वजनिक संसाधनों (जैसे ऐरावत पर एलएलएएमए मॉडल्स) को एपीआई के जरिए सस्ता उपलब्ध कराता है। यही वजह है कि भारत बनाम अन्य देश की विशेषताओं के दृष्टिगत पारस्परिक होड़ जारी है, खासकर भारत, अमेरिका, चीन व यूरोप के बीच। क्योंकि भारत का फोकस किसान, छात्र, स्टार्टअप्स के लिए भाषिणी, किसान ई-मित्र जैसे क्षेत्रीय अनुप्रयोग हैं, जबकि अमेरिका, चीन व यूरोप में बड़े टेक दिग्गजों का वर्चस्व है जो सख्त जोखिम नियमन से परेशान दिखाई देते हैं। वहीं शासन के अनुरूप भारत जोखिम-आधारित, मौजूदा कानूनों पर निर्भर है, वो भी

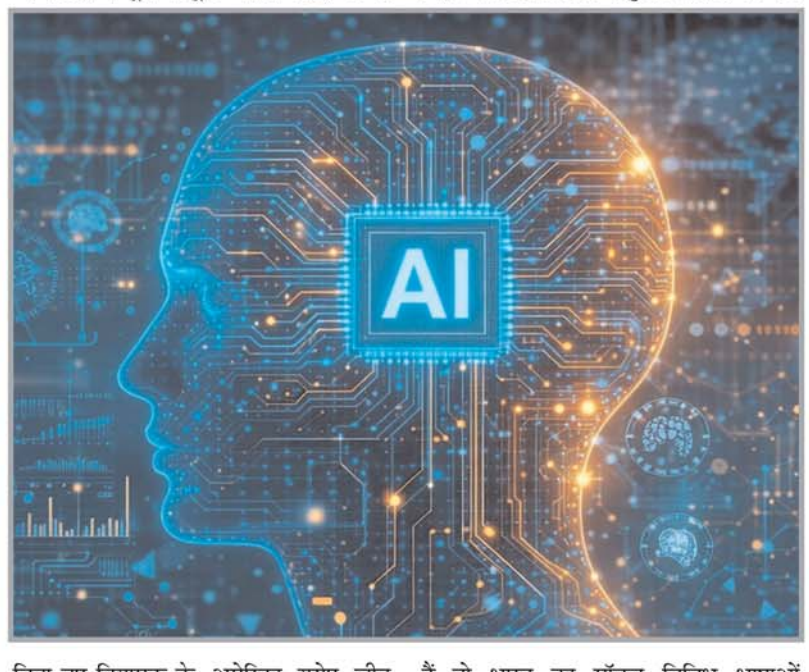

बिना नए नियामक के, अमेरिका, यूरोप, चीन में बाजार-प्रेरित, न्यूनतम हस्तक्षेप होते रहने से कठोर अनुपालन और स्वतंत्र ऑडिट की राह में मुश्किल आती हैं।वहीं पहुंच के मद्देनजर भारत सरकारी क्लाउड (मेघराज), 10,000 करोड़ मिशन से किफायती कंप्यूटिंग लगेगी। जबकि अमेरिका, चीन, यूरोप में निजी क्लाउड, उच्च लागत होने से नियामक अनुपालन पर जोर दिया जाता है।जहां तक प्रमुख भिन्नताएं की बात हैं तो भारत का मॉडल विविध भाषाओं (भाषिणी) और टियर-2/3 शहरों पर केंद्रित है, जो विकासशील देशों की जरूरतों को प्राथमिकता देता है, जबकि पश्चिमी नीतियां गोपनीयता और सुरक्षा पर अधिक सख्त हैं। यह दृष्टिकोण एआई को सभी के लिए बनाता है, न कि चुनिंदा एलिट के लिए। एआई लोकतंत्रीकरण नीतियों के कार्यान्वयन में कई महत्वपूर्ण चुनौतियां हालांकि एआई लोकतंत्रीकरण नीतियों के कार्यान्वयन में कई महत्वपूर्ण चुनौतियां भी हैं, जो मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे, नैतिकता और संसाधनों से जुड़ी हैं। ये चुनौतियां भारत जैसे विकासशील देशों में अधिक गंभीर हैं, जहां ग्रामीण-शहरी विभाजन और डिजिटल असमानता बाधक हैं। कतिपय प्रमुख चुनौतियां निम्नवत हैं=

पहला, डेटा गोपनीयता और सुरक्षा= बड़े पैमाने पर ढ्ढ तैनाती में नागरिक डेटा की रक्षा करना कठिन है, खासकर डीपीडीपी अधिनियम के बावजूद सख्त प्रवर्तन की कमी से।

दूसरा, पक्षपात और निष्पक्षता-एआई मॉडल यदि विविध डेटा पर प्रशिक्षित न हों, तो सामाजिक पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकते हैं, जो समावेशिता के लक्ष्य को कमजोर करता है।

तीसरा, अवसंरचना अंतराल- उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट, जीपीयू-आधारित कंप्यूटिंग और ग्रामीण क्षेत्रों में कुशल कार्यबल की कमी; मेघराज जैसे प्रयास पर्याप्त नहीं।

चतुर्थ, अन्य बाधाएं= वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उन्नत देशों (यूएस-चीन) के मॉडलों से पिछड़ना, साथ ही नीतिगत समन्वय की कमी। पारदर्शिता का अभाव और जन जागरूकता की कमी कार्यान्वयन को धीमा करती है। कुल मिलाकर, ये चुनौतियां समावेशी एआई को सीमित कर सकती हैं यदि बहुआयामी समाधान न अपनाए जाएं। एआई लोकतंत्रीकरण नीतियों के कार्यान्वयन चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत बहुआयामी रणनीतियां अपना रहा है, जो बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और नीतिगत समन्वय पर केंद्रित हैं।

पहला, एआई रणनीतियां= हमारी रणनीतियां इंडियाढ्ढ मिशन और समिट के चक्रों से प्रेरित हैं, जो समावेशी विकास सुनिश्चित करती हैं।

दूसरा, बुनियादी ढांचा मजबूती मिशन= इसके तहत भारत

मेघराज क्लाउड और ऐरावत जैसे सरकारी क्लाउड पर जीपीयू-आधारित कंप्यूटिंग का विस्तार कर रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती एआई पहुंच हो।

तीसरा, डेटा सेंटर विस्तार= 10,000 करोड़ के मिशन से उच्च-गुणवत्ता डेटासेट और स्टोरेज क्षमता बढ़ाना।

चतुर्थ, नैतिकता और पक्षपात समाधान= जोखिम-आधारित गवर्नेंस= आईटी अधिनियम औरडीपीडीपी के तहत ऑडिट तंत्र, विविध डेटा पर एआई प्रशिक्षण अनिवार्य।

पंचम, भाषिणी प्लेटफॉर्म= 22 भारतीय भाषाओं में एआई कंटेंट जनरेशन से सांस्कृतिक पक्षपात कम करना।

षष्टम, कौशल और जागरूकता विकास एआई कौशल कार्यक्रम= टियर-2/3 शहरों में प्रशिक्षण केंद्र, स्टार्टअप्स के लिए सब्सिडी। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषकह्है)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 पूरा, बीजापुर में अंतिम मतदाता सूची जारी

कुल 1.55 लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत

बीजापुर/मूक पत्रिका

अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पूरा होने के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। इस सूची में कुल 1,55,180 मतदाता दर्ज हैं। प्रारूप सूची जारी होने के बाद 2,107 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई है। यह बढ़ोतरी 1.38 प्रतिशत रही।

चार महीने तक चला अभियान–जिले में यह पुनरीक्षण कार्य 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुआ था। करीब चार महीनों तक चले इस अभियान में अलग अलग चरणों में दावे और आपत्तियां ली गईं। 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 के बीच प्राप्त आवेदनों का निराकरण 14 फरवरी तक कर लिया गया। इसके बाद 21 फरवरी को सभी मतदान केंद्रों पर अंतिम सूची प्रकाशित की गई।

घर घर पहुंची टीम, 283 बीएलओ ने संभाली जिम्मेदारी – विशेष पुनरीक्षण के दौरान 283 बूथ लेवल अधिकारियों ने घर घर जाकर गणना पत्रक वितरित किए। मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दो जगह नाम दर्ज कराने वाले मतदाताओं की पहचान की गई। मतदाताओं का मिलान और मैपिंग कर सूची को अपडेट किया गया। नागरिकों के नए फोटो भी अंतिम सूची में शामिल किए गए हैं।

डिजिटलीकरण में तेजी – 27 अक्टूबर 2025 की स्थिति में जिले में 1,91,652 मतदाता दर्ज थे। 23 दिसंबर तक 1,53,073 गणना पत्रक प्राप्त हुए। इनमें से 78.87 प्रतिशत का पूर्ण डिजिटलीकरण किया गया। जिन गणना पत्रकों की वापसी नहीं हुई, उनकी पुष्टि के लिए बीएलओ और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ बैठकें आयोजित की गई।यह पूरा अभियान भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देश पर संचालित किया गया। जिला प्रशासन ने तय समय सीमा में पूरी प्रक्रिया पूरी की।

वेबसाइट पर उपलब्ध है सूची –अंतिम मतदाता सूची जिला निर्वाचन अधिकारी बीजापुर और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। मतदाता वहां अपना नाम और विवरण देख सकते हैं। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची की दो प्रतियां, एक फोटोयुक्त प्रिंट और एक सॉफ्ट कॉपी, निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है।

सहयोग के लिए जताया आभार–उप जिला निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने नागरिकों, राजनीतिक दलों, मीडिया और कर्मचारियों का आभार जताया। अभियान को समय पर पूरा करने में ईआरओ, एईआरओ, एएईआरओ, बीएलओ और स्वयंसेवकों की अहम भूमिका रही।

संस्थागत प्रसव बढ़ाए – कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

सारंगढ़ के सेक्टर कोसीर की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सेक्टर कोसीर के संस्थाओं में संस्थागत प्रसव कम होने पर नाराजगी व्यक्त किए , कोसीर एक बड़ा सेक्टर है जिसमे कुल आबादी 73000 है ,9 उपस्वास्थ्य केंद्र है सेक्टर मुख्यालय से दूरी बहुत है इसलिए सेक्टर की नई मैपिंग किए जाए ,संस्थागत प्रसव को बढ़ाए क्च्ष्ट में भी प्रसव कम हो रहे है नए स्टाफ की ड्यूटी लगाएंगे ,श्वद्ध भवन में जीर्णोद्धार करने की जरूरत है ,श्वद्ध में कुछ दवाइयों की कमी बताई गई है जिसे अगले कार्य दिवस तक उपलब्ध कराएंगे ,साफ सफाई की विशेष ध्यान रखे ,क्षेत्र में जिनका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है और बनाया जा सकता है तुरंत बनाए ,जहा आधार अपडेशन को जरूरत है वहां आधार अपडेशन की शिविर लगाएंगे ,जो व्यक्ति पलायन से लौट रहे हो और आयुष्मान कार्ड न बने हो तो तुरंत ही कार्ड बनाए ,सियान जतन की शिविर प्रत्येक रू में लगाए ,योग शिविर भी लगाए सभी रूमें दी जाने वाली सेवा एवं जांच की सूची को प्रदर्शित करे श्वष्ठरु के अनुरूप दवाइयां उपलब्ध हो , क्षेत्र में महामारी की कोई स्थिति न बने लगातार निगरानी करे ,टीबी कुष्ठ के मरीजों की जांच अभियान नियमित रूप से होते रहना चाहिए वैसे भी अभी फाइलेरिया की गोली खिलाने टीम घर घर जा तिहाई तो इस बात की ख्याल रखे कही भी शंकाप्रद मरीज टीबी कुष्ठ की मिले तो उनका नाम पता लिखे और इसका सत्यापन करावे , 30 वर्ष के ऊपर के सभी व्यक्तियों की बीपी ,शुगर और कैंसर की जांच की जानी है मुख्य सचिव महोदय स्वयं इसकी समीक्षा कर रहे है इस कारण स्क्रीनिंग के कार्य में गई लावे ,पीड़ित सभी को उपचार दे ,इनका फॉलो अप करे और उनकी बीमारी को नियंत्रण में रखने में सहयोग करे बीपी शुगर के मरीजों की स्वस्थ जीवन शैली के बारे में बताए नमक चीनी की सेवन को कम करने की सलाह दे ,नियमित चलना ,योग करना ,को बढ़ावा दे नशा सेवन करना बंद करे ऐसा करने से ही हृदय घाट ,ब्रेनहेमरीज ,की घटना कम की जा सकती है कैंसर स्क्रीनिंग में मुंह का कैंसर ,स्तन कैंसर एवं सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग करे एवं सभी की इंट्री हृष्ठ पोर्टल में करे काम करके संबंधित पोर्टल में इंट्री नहीं करने से कोई फायदा नहीं होगा ,ऐसे ही किसी भी गांव में टीकाकरण सत्र लगाने से न छुटे ,हर पात्र बच्चे को सही समय पर टीका लगावे पूर्ण टीका एवं संपूर्ण टीका को विशेष ध्यान दे तथा सभी की इंट्री ह्व2द्वठ्ठ पोर्टल में करे अभी ऋष्ठ 1 की डाटा शिफ्टिंग ऋष्ठ 2.0 में इंट्री करे ड्डास्ट की बैठक में क्षेत्र की महिला पंच को जरूर बुलावे तथा महिलाओं में इसकी दायरा बढ़ावे , फाइलेरिया की गोली खिलाने की लक्ष्य प्राप्ति के लिए पूरी मेहनत करे सभी पात्र हितग्राहियों को गोली खिलाए लेकिन जिन्हें दवाई नहीं खिलनी है उसे ध्यान में रखे और उन्हें दवाई न खिलाए प्रत्येक सेक्टर मीटिंग में क्षेत्र की क्क्ष्ट ,रूझ जरूर अटेंड करे ऐसी व्यवस्था बनाए।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण, मैत्री गार्डन भिलाई में किया वन्यजीव अध्ययन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए राज्य के भीतर शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम मे 18 फरवरी 2026 को जिला बेमेतरा के चयनित 100 विद्यार्थियों को दुर्ग जिले स्थित मैत्री गार्डन (चिड़ियाघर) का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान, पर्यावरण एवं जैव विविधता के प्रति रुचि जागृत करना तथा कक्षा में पढ़ाए जाने वाले विषयों को व्यवहारिक रूप में समझने का अवसर प्रदान करना था। शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना होने से पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री गेंदराम चतुर्वेदी, जिला बेमेतरा एवं जिला मिशन समन्वयक (समग्र शिक्षा) श्री राजकुमार वर्मा द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर विद्यार्थियों को उत्साहपूर्वक रवाना किया गया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन बनाए रखते हुए भ्रमण का अधिकतम शैक्षणिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी बच्चों को शुभकामनाएँ दीं।भ्रमण दल में जिले के चारों विकासखंडों से नामांकित विद्यार्थी शामिल थे। उनके साथ संबंधित विकासखंडों के नोडल अधिकारी, एस्कॉर्ट शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे, जिससे बच्चों की सुरक्षा, मार्गदर्शन एवं समुचित देखरेख सुनिश्चित की जा सके।

मैत्री गार्डन पहुँचकर विद्यार्थियों ने विभिन्न वन्यजीवों, पक्षियों एवं जैव विविधता को नजदीक से देखा तथा उनके आवास, खान-पान एवं संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। शिक्षकों द्वारा बच्चों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं जैव विविधता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। विद्यार्थियों के मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन के लिए टॉय ट्रेन की सवारी भी कराई गई, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। भ्रमण के दौरान सभी विद्यार्थियों को सामूहिक रूप से भोजन कराया गया तथा उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। पूरे कार्यक्रम में बच्चों ने अनुशासन एवं उत्साह का परिचय देते हुए सक्रिय सहभागिता निभाई। इस शैक्षणिक भ्रमण का संचालन दल प्रभारी श्रीमती रेणुका चौबे (समावेशी शिक्षा जिला प्रभारी), श्रीमती रजनी देवांगन एवं श्रीमती सरिता सतनामी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिला मिशन समन्वयक एवं सहायक कार्यक्रम समन्वयक श्री खेमराज साहू के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत आयोजित इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के संवर्धन तथा व्यवहारिक ज्ञानार्जन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा भविष्य में भी ऐसे नवाचारी कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया गया है।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराकर भूमि नामंतरण करने वाले आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराकर भूमि नामंतरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुलिस ने बताया कि प्रार्थी सुनील सोनी निवासी सोनारपारा चांपा द्वारा प्रेषित शिकायत जांच पर जांच के दौरान पाया गया कि आवेदक के दादा स्व0 उमाशंकर के द्वारा जगदल्ला निवासी सुनहर गोड़ से विधिवत माननीय अतिरिक्त जिलाधीश बिलासपुर से विक्रय कि अनुमति प्राप्त कर ग्राम जगदल्ला स्थित भूमि खरारा नं. 473, रकबा 1.13 एकड़ भूमि को पंजीकृत विक्रयनामा दिनांक 19.11.1976 निष्पादित किया गया था। जिसे सुनहर गोड़ के परनाती रामसिंह गोड़ के द्वारा सुनहर गोड़ की फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर उसका उपयोग कर पूर्व से इसके दादा उमाशंकर साव के द्वारा खरीदे गये भूमि का नामांतरण निरस्तक कराने एवं प्रार्थी के पूर्वज द्वारा विधिवत क्रय की गई भूमि से अनुचित लाभ प्राप्त करने की मंशा से विधिविरूद्ध पूर्ण उपयोग एवं प्रयोग किया गया है।जांच पर अपराध धारा सदर का पाये जाने से थाना चाम्पा में अपराध क्रमांक 50/2026 धारा 420,467, 468,471,34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी चांपा निरीक्षक अशोक वैष्णव, उनि उमेन्द्र मिश्रा एवं थाना स्टाप चांपा का सराहनीय योगदान रहा।

शहरी स्वास्थ्य केंद्र की घोर लापरवाही आई सामने चिकित्सक रहे नदारद, मरीज हुए लाचार

स्वास्थ्य केंद्र के बाहर दर्द से घंटों तड़पते मिर्गी के मरीज को नहीं मिला उपचार, शहरी स्वास्थ्य केंद्र की अव्यवस्था आई सामने, अधिकारी कर रहे कार्यवाही की बात

रायगढ़/मूक पत्रिका

घंटों दर्द से स्वास्थ्य केंद्र के बाहर तड़पता रहा मरीज,पर उसके उपचार के लिए वहां डॉक्टर ही मौजूद नहीं था।ऐसा वाक्या स्थानीय रामभाटा संजय मैदान में मौजूद शहरी स्वास्थ्य केंद्र में देखने को मिला।जहां मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति दो घंटे से भी अधिक समय तक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर दर्द से तड़पता रहा।परन्तु मौके पर पीड़ित के उपचार हेतु न तो वहां कोई चिकित्सक मौजूद था।और न ही यहां के जिम्मेदारो द्वारा मरीज को भर्ती कर कोई जवाबदेही निभाई गई।वही जब मामले की सूचना जिला चिकित्सा अधिकारी को दी गई।जिसके बाद मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से मरीज को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया। उसका इलाज जारी है।

शहरी स्वास्थ्य केंद्र की घोर लापरवाही आई सामने–शहरी स्वास्थ्य केंद्र का संचालन आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।जहां लोगों को आसानी से उपचार सुविधा मिल सके।परन्तु जब स्वास्थ्य केंद्र में ही चिकित्सक नदारद रहे तो वहां स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का अंदाजा लगाना भी सहज हो जाता है।ऐसा ही एक नजारा शुक्रवार को संजय मैदान स्थित शहरी स्वास्थ्य केंद्र का सामने आया।मिर्गी से पीड़ित मरीज घंटों बाहर दर्द से कराहता रहा।परन्तु स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए चिकित्सक नहीं थे। ऐसी स्थिति में उपचार न मिलने पर किसी अनहोनी की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।परन्तु आश्चर्य की स्वास्थ्य केंद्र के बाहर किसी मरीज को तड़पता देख केंद्र के किसी भी जिम्मेदार द्वारा उसे भर्ती एवं प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना भी जरूरी नहीं समझा।वही मौके पर मौजूद क्षेत्र के जागरूक युवाओं द्वारा मिर्गी पीड़ित को बाहर से उठाकर स्वास्थ्य केंद्र के भीतर ले जाया गया।बावजूद इसके न तो वहां उसकी भर्ती हो सकी और न ही उपचार हो सका।केंद्र में पहुंचे एंबुलेंस की सहायता से युवाओं ने उसे जिला चिकित्सालय उपचार के लिए दाखिल कराया।

अधिकारी कर रहे कार्यवाही की बात–इस पूरे मामले की जानकारी जब जिला चिकित्सा अधिकारी को मिली तो उन्होंने इस प्रकार की लापरवाही पर सख्ती दिखाते हुए मौके से अनुपस्थित चिकित्सक को स्वास्थ्य केंद्र के वीडियो की जांच कर शो काज नोटिस देने की बात कही है।ऐसा इसलिए क्योंकि किसी जिम्मेदार द्वारा ही जिला चिकित्सा अधिकारी को इस घटना के दौरान शहरी स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद होने की जानकारी दी गई थी।जो पूर्णतया गलत है।बहरहाल मरीज को जिला चिकित्सालय भेजने तक कोई चिकित्सक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद नहीं था।हालांकि केंद्र की प्रभारी मरीज को अस्पताल ले जाए जाने उपरांत वहां आयोचारिकता निभाने जरूर पहुंची थी।जिनके द्वारा अपने शहरी स्वास्थ्य केंद्र में इस मरीज को उपचार उपलब्ध नहीं कराया जा सका।

क्या कहते है डॉक्टर अनिल भगत जिला चिकित्सा अधिकारी– शहरी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक के मौजूद होने की जानकारी दी गई थी। अगर वे मौके पर मौजूद नहीं थी तो वहां से फुटेज मंगवा कर जांच कराई जाएंगी।और शो काज नोटिस जारी किया जाएगा।

केंदवाही बार की प्राथमिक शाला में गूंजा योग का संदेशः जुगेन्द्र साहू ने स्वस्थ तन न का दिया मंत्र

बरमकेला/मूक पत्रिका

विकास खंड बरमकेला अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला केंदवाही बार में आज का दिन बच्चों के लिए खास और प्रेरणादायक रहा। विद्यालय परिसर में योग शिक्षक जुगेन्द्र साहू के मार्गदर्शन में स्कूली बच्चों को योगाभ्यास कराया गया और स्वस्थ जीवनशैली का महत्व समझाया गया। योग शिक्षक जुगेन्द्र साहू ने बच्चों को विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए बताया कि नियमित योग से शरीर स्वस्थ, मन एकाग्र और आत्मविश्वास मजबूत होता है। उन्होंने बच्चों को खान-पान पर विशेष ध्यान देने, जंक फूड से दूर रहने और पौष्टिक आहार अपनाने का संदेश भी दिया। योग शिक्षक जुगेन्द्र साहू ने कहा-÷बच्चों के जीवन में योग की शुरुआत जितनी जल्दी हो, उतना बेहतर है। योग न केवल शरीर को मजबूत बनाता है बल्कि मानसिक विकास और अनुशासन भी सिखाता है। यदि बच्चे प्रतिदिन कम से कम 15 से 20 मिनट योग करें और संतुलित आहार लें, तो वे बीमारियों से दूर रहकर पढ़ाई और खेल में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।÷इस अवसर पर प्रधान पाठक सुरेन्द्र मिश्रा, शिक्षक मनमोहन सिंह पटेल, किरण सिदार एवं प्रमोद चौहान की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी शिक्षकों ने बच्चों को प्रतिदिन योग करने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने पूरे जोश और ऊर्जा के साथ योगासन किए, जिससे विद्यालय का वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। विद्यालय परिवार का मानना है कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर और मजबूत मन की दिशा में यह एक सराहनीय पहल साबित हुई।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद 7,25,023 मतदाता सूची में दर्ज

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बेमेतरा द्वारा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टरेट के दृष्टि सभाकक्ष मे बीते शनिवार को अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर जिला बेमेतरा में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपरांत आज 21 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। चार माह तक चले इस अभियान के बाद जिले में कुल 7,25,023 मतदाता अंतिम सूची में दर्ज किए गए हैं। मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशन के पश्चात 8,388 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि (नेट एडिशन) दर्ज की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीप्ती वर्मा, सर्व एसडीएम सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चार माह तक चला विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान–भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार 27 अक्टूबर 2025 से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान प्रारंभ किया गया था। इस दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (ब्रुरुह्र) द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं सत्यापन कार्य किया गया। जिले में कुल 870 बीएलओ ने 5,96,373 मतदाताओं के प्रपत्रों का मिलान एवं बीएलए के साथ समन्वय का कार्य पूर्ण किया। प्राप्त दावा-आपत्तियों की सुनवाई निर्धारित समय-सीमा में कर 14 फरवरी 2026 तक निराकरण सुनिश्चित किया गया।

मतदाताओं की संख्या में बदलाव–प्रारंभिक स्थिति में (27-10-2025) जिले में कुल 8,01,756 मतदाता दर्ज थे। 23-12-2025 को प्रारूप सूची प्रकाशन के समय मतदाताओं की संख्या 7,16,635 रही। अंतिम प्रकाशन (21-02-2026) में यह संख्या बढ़कर 7,25,023 हो गई। इस प्रकार ड्राफ्ट सूची के बाद कुल 9,043 नाम जोड़े गए, 655 नाम विलोपित हुए और कुल 8,388 की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई। विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़े इस प्रकार हैं, 68 साजाः अंतिम मतदाता संख्या 2,36,203, 69 बेमेतराः अंतिम मतदाता संख्या 2,30,552, 70 नवागढ़ (अ.जा.): अंतिम मतदाता संख्या 2,58,268

पारदर्शिता एवं डिजिटल सुविधा–एसआईआर अभियान के दौरान प्राप्त नवीनतम फोटोग्राफ भी अंतिम मतदाता सूची में अद्यतन किए गए हैं। जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र वापस प्राप्त नहीं हुए, उनकी जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर सार्वजनिक की गई, जिससे प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। मतदाता अपने नाम की जांच मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की वेबसाइट, वोटर पोर्टल (1श्वह्ल-द्गह्लह्य.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ) तथा श्वष्टढ्ढहश्वञ्ज मोबाइल ऐप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त बीएलओ अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय/श्वक्रह्र/श्वक्रह्र कार्यालय से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

नाम जोड़ने, संशोधन एवं आपत्ति की प्रक्रिया–यदि किसी पात्र नागरिक का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं है तो वह प्रपत्र-6 भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। प्रविष्टि में त्रुटि सुधार या स्थानांतरण हेतु प्रपत्र-8 तथा किसी प्रविष्टि पर आपत्ति दर्ज कराने हेतु प्रपत्र-7 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। आवेदन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से स्वीकार किए जा रहे हैं।

अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के नागरिकों, निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों, बीएलओ, बीएलए, मीडिया प्रतिनिधियों तथा जनप्रतिनिधियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता एवं समावेशिता सुनिश्चित करना निर्वाचन प्रक्रिया की आधारशिला है और जिले में यह कार्य निर्धारित समय-सीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है।

÷कोई मतदाता न छूटे÷ के संकल्प के साथ प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने नाम की जांच अवश्य करें और आवश्यक संशोधन समय रहते कराएं।

संक्षिप्त समाचार

नासा का अलर्ट: 25 हजार एस्टेरॉयड धरती के पास, आधों का अब तक नहीं लगा सुराग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चेताया है कि पृथ्वी के पास लगभग

25,000 ऐसे एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) मंडरा रहे हैं। लेकिन इनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। चिंता की बात ये है कि ये किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह खत्म कर समतल करने की ताकत रखते हैं। नासा में प्लैनेटरी डिफेंस (ग्रह रक्षा) की प्रमुख केली फास्ट ने अमेरिकी एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में बोलते हुए कहा कि जो चीज मुझे रात में सोने नहीं देती, वह हैं वे एस्टेरॉयड जिनके बारे में हम जानते ही नहीं हैं। केली के मुताबिक, वैज्ञानिक बहुत छोटे और बहुत बड़े पत्थरों को तो ट्रैक कर लेते हैं, लेकिन मध्यम आकार (लगभग 140 मीटर) वाले पत्थर अभी भी नजरों से ओझल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ये सिटी-किलर्स वैश्विक विनाश भले न करें, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर भारी तबाही मचा सकते हैं। अनुमान है कि ऐसे 25,000 पत्थरों में से हम केवल 40 फीसदी को ही ढूंढ पाए हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की डॉ. नैन्सी चाबोट, जिन्होंने 2022 में नासा के डार्ट मिशन का नेतृत्व किया था, उन्होंने भी इस खतरे पर मुहर लगाई है। उनके अनुसार यह खोज अभी अधूरी है, हमें अभी भी 50 फीसदी से ज्यादा 140 मीटर वाले एस्टेरॉयड्स के ठिकाने का पता नहीं है। नासा ने कहा कि वर्तमान में हमारे पास किसी अचानक आने वाले एस्टेरॉयड को मोड़ने या नष्ट करने की सक्रिय तकनीक तैयार नहीं है। इस रक्षा प्रणाली को तैयार रखने के लिए निवेश की भारी कमी है। नैन्सी ने स्पष्ट किया कि हमारे पास जैसा कोई दूसरा स्पेसक्राफ्ट स्टैंडबाय पर नहीं रखा है, जिसे तुरंत लॉन्च किया जा सके। क्षुद्रग्रह या एस्टेरॉयड सूर्य की परिक्रमा करने वाले

न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर

कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा। बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए। हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि ये लोग कैंप में रह रहे थे या नहीं, लेकिन इस घटना के बाद शहर की नीतियों पर सवाल उठने लगे। फैसले के खिलाफ और समर्थन में कौन? जोहरान ममदानी के इस फैसले को सिटी काउंसिल की स्पीकर जूल मेनिन ने सही कदम बताया। उनका कहना है कि इतनी ठंड में लोगों को सड़क पर छोड़ना अमानवीय है। वहीं इसके विरोध में बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था बेघरों के लिए गठबंधन के निदेशक डेविड गिफेन ने कहा कि यह राजनीतिक फैसला है। उनका कहना है कि जब लोगों का सामान फेंक दिया जाता है, तो वे सरकार पर भरोसा नहीं कर पाते।

जमीन के नीचे दौलत और सेहत पर संकट

दुनिया का सबसे बड़ा तेल रिजर्व होने के बावजूद वेनेजुएला में क्यों बिगड़े हालात?

करागास एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल रिजर्व है, जो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक करीब 303 बिलियन बैरल है।

यह दुनियाभर के क्रूड ऑयल का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। यह तेल का भंडार मुख्य रूप से ओरिनोको बेल्ट में फैला हुआ है, जहां तेल बेहद घना और भारी किस्म का है।

कैसे बना इतन विशाल तेल भंडार? वेनेजुएला की भूवैज्ञानिक संरचना ने ही इस बड़े तेल रिजर्व को संभव बनाया है। वेनेजुएला के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में फैला ओरिनोको बेल्ट सेडिमेंट्री चट्टानों का एक बड़ा इलाका है, जहां पुराने जैविक पदार्थ दबाव और समय के साथ हाइड्रोकार्बन में बदल गए। कैसे चट्टानों से निकला तेल?एक केस स्टडी के अध्ययन के अनुसार, लाखों सालों में, कैरिबियन और साउथ अमेरिकन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच हलचल की वजह से पूर्वी वेनेजुएला के कुछ हिस्से डूब गए। जब जमीन लंबे समय तक धीरे-धीरे पानी में डूबती है, तो इससे एक गहरा बेसिन बनता है। इसे एक बड़े नेचुरल कटोरे की तरह समझा जा सकता है। इस

कटोरे ने समय के साथ सेडिमेंट रॉक्स की मोटी परतें बनने दीं। सेडिमेंट बाद में चट्टानें बन गईं जिनमें तेल होता है। बढ़ते हुए एंडीज पर्वत से बहने वाली नदियां इस बेसिन में बहुत ज्यादा रेत, मिट्टी और दबे हुए ऑर्गेनिक मटीरियल ले गईं, जिससे बहुत मोटी, तेल से भरपूर परतें बनीं जो आखिर में रिजर्वॉयर बन गईं। इस इलाके में समुद्र के लेवल में बार-बार बढ़ोतरी और गिरावट ने भी इस दबे हुए ऑर्गेनिक मैटर को बचाने में मदद की, क्योंकि उथले समुद्रों ने कम ऑक्सीजन वाली कंडीशन बनाईं जिससे यह पूरी तरह से सड़ नहीं पाया, इसलिए ज्यादा गहराई में दबे होने पर तेल बनाने के लिए ज्यादा मटीरियल मौजूद था।

इसके अलावा, टेक्टोनिक ताकतों की वजह से होने वाले फॉल्ट और स्ट्रक्चरल ट्रैप ने तेल बनने के बाद उसे बाहर निकलने से रोकने में मदद की, जिससे असल में बड़ी मात्रा में हाइड्रोकार्बन वहीं सील हो गए।

वेनेजुएला में उत्पादन क्यों घटा? वेनेजुएला में भले ही तेल रिजर्व का आकार दुनिया में सबसे बड़ा है, लेकिन इसका असर उत्पादन या आर्थिक स्थिरता पर नहीं पड़ा। उत्पादन अपने पीक स्तर से बहुत नीचे आ चुका है, पुरानी सुविधाएं जर्जर हो गई हैं। भारी तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए तैयार करने में जटिल प्रसंस्करण की जरूरत पड़ती है। दशकों से कम निवेश, खराब मैनेजमेंट और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने तेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कमजोर कर दिया है। पाइपलाइन, कुएं और रिफाइनरियां क्षमता से कम चल रही हैं।

ट्रंप ने कहा- ईरान पर हमले के लिए चाहिए

गार्सिया द्वीप पर ब्रिटेन का कब्जा खत्म होने से घबराया यूएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से अपील की है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को न सौंपें। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत असफल रहती है तो ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ेगी। गौरतलब है कि बीते साल ब्रिटेन ने हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को सौंपने का एलान किया था। हालांकि 99 साल की लीज पर अमेरिका-ब्रिटेन का सैन्य अड्डा द्वीप पर बरकरार रहेगा।

ट्रंप ने चागोस द्वीप को मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन सरकार के फैसले को एक बड़ी गलती बताया।

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, मैं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से कहता रहा हूं कि देशों के मामलों में पट्टे

(लीज) का कोई महत्व नहीं होता। हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित डिएगो गार्सिया पर 100 साल का पट्टा समझौता करके वे बड़ी गलती कर रहे हैं। ब्रिटेन के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं और ये संबंध कई वर्षों से हैं, लेकिन प्रधानमंत्री स्टार्मर इस द्वीप पर अपना नियंत्रण खो रहे हैं। ट्रंप ने आगे लिखा, अगर ईरान समझौता करने से इनकार कर देता है तो अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ सकती है।

क्या 9 साल का बच्चा पढ़ेगा आपकी शर्तें

इंस्टाग्राम पर बच्चों की लत को लेकर यूएस कोर्ट की जुकरबर्ग को फटकार

लॉस एंजिल्स एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स अदालत में इंस्टाग्राम और फेसबुक की पेरेंट कंपनी, मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग को कड़े सवालों का सामना करना पड़ा। दरअसल, सुनवाई के दौरान जुकरबर्ग से इंस्टाग्राम की लत और उम्र के वेरिफिकेशन को लेकर सवाल किए गए।

कोर्ट ने पूछा कि क्या मेटा के प्लेटफॉर्म जानबूझकर बच्चों को नशे की लत लगाते हैं और उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं। इस दौरान जुकरबर्ग न केवल असहज दिखे, बल्कि वकीलों की दलीलों पर सिर हिलाते और उत्तेजित होते नजर आए।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग ने दावा किया कि मेटा ने कम उम्र के यूजर्स की पहचान करने में सुधार किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि कुछ यूजर्स इंस्टाग्राम पर अकाउंट खोलते समय अपनी उम्र के बारे में झूठ बोलते हैं और कंपनी जिन लोगों की पहचान कम उम्र के रूप में करती है उन्हें हटा देती है। मैं हमेशा चाहता हूं कि हम यह काम जल्दी कर पाते।

मार्क जुकरबर्ग के इस बयान पर केस करने वाले वादी के वकीलों ने पलटवार करते हुए कहा कि एक नौ साल का बच्चा उन फाइन प्रिंट में लिखे शर्तों को पढ़ेगा? 13 साल से कम उम्र के बच्चों को अनुमति है या नहीं, इसके लिए आप यह तर्क दे रहे हैं? वेरिफिकेशन के बारे में बार-बार पूछे जाने पर जुकरबर्ग ने कहा, ÷मुझे समझ नहीं आता कि यह इतना जटिल क्यों है।÷ यह पूरा मामला कैलिफोर्निया निवासी 20 वर्षीय कैली जी.एम. की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा हुआ है।

कंसर्ट की भीड़ से लेकर तेल के कुओं तक... क्या इंसान भी ला सकते हैं भूकंप

भीड़ भी पैदा कर सकती है हल्का कंपन, जमीन के नीचे तरल इंजेक्शन से असली भूकंप

बीजिंग, एजेंसी। भूकंप आमतौर पर धरती के अंदर मौजूद फॉल्ट लाइनों (दरारों) में होने वाली प्राकृतिक हलचल से आते हैं। लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इंसानी गतिविधियां भी जमीन में कंपन पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिक प्राकृतिक टेक्टोनिक भूकंप और इंसानों द्वारा उत्पन्न कंपन (इंड्यूस्ड भूकंप) के बीच फर्क करते हैं। खनन, बड़े जलाशयों को भरना या जमीन के अंदर तरल पदार्थ इंजेक्ट करना जैसी गतिविधियां छोटे भूकंपीय झटके पैदा कर सकती हैं। ज्यादातर ऐसे झटके बहुत हल्के होते हैं और किसी तरह का नुकसान नहीं करते। हालांकि कुछ इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत तेज झटके भी दर्ज किए गए हैं।

पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसे भूकंप क्यों और कैसे आते हैं, और क्या इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल यह नहीं है कि इंसान जमीन को हिला सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि यह कितना बड़ा असर डाल

सकता है और इसे कितना नियंत्रित किया जा सकता है। अमेरिका के सिएटल शहर में एक कंसर्ट के दौरान पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट के शो में हजारों प्रशंसकों के एक साथ कूदने-नाचने से जमीन में कंपन दर्ज हुआ। यह कंपन करीब 2.3 तीव्रता के भूकंप जैसा माना गया। ऐसी जानकारी द वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दी गई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ उछलते हैं तो उनकी ऊर्जा जमीन में तरंगों के रूप में फैलती है। हालांकि 2.3 तीव्रता का झटका बहुत छोटा माना जाता है। इसे केवल आसपास ही महसूस किया जा सकता है और इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। यह कंपन अस्थायी होता है और इसमें धरती की गहरी फॉल्ट लाइनें शामिल नहीं होतीं।

ज्यादा गंभीर मामले तेल और गैस उद्योग से जुड़े पाए गए हैं। मैसाचुसेट्स की तकनीकी संस्था के वैज्ञानिकों ने इटली के एक तेल क्षेत्र का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है। अगर यह दबाव पहले से मौजूद फॉल्ट लाइन पर असर डालता है, तो चट्टानें खिसक सकती हैं और ऊर्जा निकलने से भूकंप आ सकता है। ऐसे मामले अमेरिका के कुछ हिस्सों और दक्षिणी इटली में देखे गए हैं, जहां ज्यादा मात्रा में इंजेक्शन के बाद भूकंपों की संख्या बढ़ी। अध्ययन में पाया गया कि जब रोजाना इंजेक्शन की मात्रा कम की गई, तो भूकंपों की संख्या भी घट गई।

30 मीटर तक हवा में उड़कर घर के बाथरूम में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, बाल-बाल बचा परिवार

ड्राइवर पर मामला दर्ज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाला हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार से आ रहा एक ट्रक मिट्टी के टीले से उछलकर हवा में करीब 30 मीटर तक उड़ता हुआ एक घर में जा घुसा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रक को हवा में उड़ते हुए साफ देखा जा सकता है। यह हादसा पिछले शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे टाइगार्ड में हुआ। स्थानीय पुलिस के अनुसार, ट्रक पश्चिम दिशा में साउथवेस्ट स्कोल्स फेरी रोड पर जा रहा था और चालक तेज रफ्तार व लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। दरवाजे पर लगे कैमरे की फुटेज में दिखता है कि ट्रक पहले एक मिट्टी के टीले से उछला, फिर एक रिटेनिंग वॉल को पार करता हुआ सीधे घर की दीवार से टकरा गया। ट्रक डेविड ब्रूडनोक के घर के ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम में जा घुसा। ब्रूडनोक ने स्थानीय चैनल से बातचीत में कहा, ÷मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि कोई ट्रक उड़कर आएगा। अचानक जोरदार धमाका हुआ और घर हिल गया। नीचे जाकर देखा तो घर का पूरा सामने का हिस्सा टूट चुका था। हादसे के समय

ब्रूडनोक, उनकी पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे ऊपर की मंजिल पर थे। अच्छी बात यह रही कि परिवार का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ। ब्रूडनोक ने कहा कि वह भगवान का शुक्रगुजार हैं कि हादसे के वक्त पूरा परिवार ऊपर था, नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था। हादसे के बाद ड्राइवर खुद गाड़ी से बाहर निकल आया, जबकि फायर ब्रिगेड की टीम ने मलबे में फंसे यात्री को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक ड्राइवर और यात्री दोनों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने 33 साल के ड्राइवर जैकब हैंकिंस पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और दूसरों की जान खतरे में डालने का मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी अभी इस हादसे की पूरी परिस्थितियों की समीक्षा कर रहे हैं, जिसमें ट्रक की रफ्तार और टक्कर से पहले की ड्राइविंग का तरीका शामिल है।

● कनाडा में घटी विदेशी छात्रों की संख्या

61 प्रतिशत की आई कमी, इन नियमों का भारतीय छात्रों पर दिखा असर

टोरंटो एजेंसी। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा अस्थायी निवासियों (जिनमें छात्र भी शामिल हैं) की संख्या कम करने और आवास, बुनियादी ढांचे व सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव घटाने के लिए उठाए गए कदमों का असर अब साफ दिखने लगा है।

हालिया आंकड़ों में यह सामने आया है कि नए स्टडी परमिट जारी होने की संख्या में करीब 61 प्रतिशत की कमी आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजिस एंड सिटिजनशिप कनाडा के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जहां 2 लाख 93 हजार 60 नए अंतरराष्ट्रीय छात्र आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 1 लाख 15 हजार 470 रह गई है।

दिसंबर 2024 में 29,835 नए छात्र पहुंचे थे जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या घटकर सिर्फ 9665 रह गई। अगस्त और दिसंबर में आमतौर पर ज्यादा स्टडी परमिट जारी होते हैं, क्योंकि इन्हीं महीनों में फॉल और विंटर सेमेस्टर शुरू होते हैं। मासिक

आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई है। उदाहरण के लिए अप्रैल 2024 में 45 हजार 790 नए परमिट जारी हुए थे, जो अप्रैल 2025 में घटकर 8525 रह गए। अगस्त 2024 में 79 हजार 740 परमिट जारी हुए, जबकि अगस्त 2025 में 45 हजार 35 रह गए।

कनाडा सरकार ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सालाना सीमा (कैप) तय की थी। इसके बाद 2025 और 2026 के लिए भी लक्ष्य कम कर दिए गए। पिछले साल घोषित 2025-2027 की योजना में 2026 के लिए 3.05 लाख छात्रों का लक्ष्य रखा गया था। अब नई 2026-2028 आव्रजन योजना में इसे घटाकर 1.55 लाख कर दिया गया है और अगले दो साल में इसमें हल्की और कमी होगी।

रेगुलेटेड कनाडियन इमिग्रेशन कंसल्टेंट मैथ्यू मैकडोनाल्ड ने कहा था कि 2026 के लिए लक्ष्य में 50 प्रतिशत की कटौती बड़ी बात है। इससे कॉलेज और यूनिवर्सिटी कम एडमिशन ऑफर दे पाएंगे, जिससे कनाडा के शिक्षा क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा। सरकार का कहना है कि वह आव्रजन को सस्टेनेबल स्तर पर लाना चाहती है और अस्थायी निवासियों की संख्या को कुल आबादी के 5 प्रतिशत से नीचे रखना चाहती है। इंटरनेशनल स्टूडेंट प्रोग्राम को भी सख्त किया है। अब एडमिशन लेटर की अनिवार्य जांच होती है। छात्रों के लिए फाइनेंशियल प्रूफ की राशि 10,000 कनाडाई डॉलर से बढ़ाकर 20,635 कनाडाई डॉलर कर दी गई है।

नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 49 सदस्यीय कैबिनेट का गठन किया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया है। उन्होंने खलीलुर रहमान को विदेश मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है। वह मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) रह चुके हैं।

तारिक रहमान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ 49 सदस्यीय कैबिनेट ने भी शपथ ली थी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 20 साल बाद देश की सत्ता में वापसी की है।प्रधानमंत्री ने बीएनपी की वरिष्ठ नेता शमा उबैद को विदेश राज्यमंत्री नियुक्त किया है। वह बीएनपी की अंतरराष्ट्रीय मामलों की उपसमिति की सदस्य रह चुकी हैं। सरकार ने आदेश किया जारी विभागों के बंटवारे के बाद सरकार ने एक आधिकारिक आदेश जारी किया, जिसमें बताया गया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपने पास रक्षा मंत्रालय समेत तीन विभागों

की जिम्मेदारी रखी है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को ग्रामीण विकास व सहकारिता मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है।

बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य आमीर खासरू महमूद चौधरी को वित्त और योजना मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि बीएनपी के संयुक्त महासचिव सलाउद्दीन अहमद को गृह मंत्रालय मिला है। बता दें कि पहली बार प्रधानमंत्री बने 60 वर्षीय तारिक पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे हैं।

चुन्युन की शुरुआत: 40 दिनों में 9.5 अरब यात्राएं, चीन में लूनर न्यू ईयर पर रिकॉर्ड यात्रा

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लूनर न्यू ईयर से पहले हर साल होने वाली चुन्युन यात्रा इस बार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। लाखों लोग अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए लंबी दूरी तय कर रहे हैं। आर्थिक मुश्किलों के बावजूद लोग घर लौटने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बीजिंग में निर्माण कार्य करने वाले लियू झीक्वान चेंगदू जाने के लिए 30 घंटे से ज्यादा की ट्रेन यात्रा का इंतजार कर रहे थे। चेंगदू, सिचुआन प्रांत की राजधानी है, जो बीजिंग से करीब 2,000 किलोमीटर दूर है।

उन्होंने कहा कि इस साल हालात पिछले साल से ज्यादा खराब लग रहे हैं। अर्थव्यवस्था कमजोर है और पैसे कमाना मुश्किल होता जा रहा है। लियू ने पैसे बचाने के लिए धीमी ट्रेन चुनी। तेज रफ्तार ट्रेन से सफर सिर्फ नौ घंटे में पूरा हो सकता था, लेकिन उसका किराया दोगुने से भी ज्यादा था।

रिकॉर्ड स्तर पर यात्रा: फिर भी लियू ने घर जाने का फैसला किया, क्योंकि यह साल का वह खास समय है जब देशभर के कामगार छुट्टी लेकर परिवार के साथ समय बिताते हैं। चीन में लूनर न्यू ईयर 17 फरवरी को मनाया जाएगा। इस मौके पर होने वाली 40 दिन की यात्रा अवधि को ÷चुन्युन÷ कहा जाता है। सरकारी अनुमान के मुताबिक, इस दौरान 9.5 अरब यात्राएं होंगी, जो अब तक का रिकॉर्ड है।

ट्रेन और हवाई सफर के आंकड़े: राष्ट्रीय विकास और

सुधार आयोग के अनुसार, इन 9.5 अरब यात्राओं में से करीब 54 करोड़ यात्राएं ट्रेन से होंगी। लगभग 9.5 करोड़ लोग हवाई जहाज से सफर करेंगे। बाकी अधिकतर लोग सड़क मार्ग से अपने घर जाएंगे। चीन में काम के लंबे घंटे और कम वार्षिक छुट्टियों के कारण यह त्योहार लोगों के लिए बेहद खास होता है।

बीजिंग के रेलवे स्टेशन पर यात्री बड़े-बड़े बैग और सूटकेस के साथ इंतजार करते नजर आए। कई लोग इंस्टेंट नूडल्स खा रहे थे, क्योंकि स्टेशन पर मुफ्त में गर्म पानी मिलता है। बीजिंग में नई-नई नौकरी शुरू करने वाली तियान डुओफू ने कहा कि वह 15 फरवरी से शुरू हो रही नौ दिन की छुट्टी का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि नौकरी शुरू करने के बाद समझ आया कि इतनी लंबी छुट्टी मिलना दुर्लभ है और परिवार के साथ मिलना-जुलना कम होता जा रहा है। इसलिए स्प्रिंग फेस्टिवल उनके लिए खास है। हेनान प्रांत की तियान यूनशिया, जो बीजिंग में नाश्ते का ठेला चलाती हैं, ने कहा कि नया साल सबसे बड़ा त्योहार है। उन्होंने कहा, ÷अगर हम घर नहीं जाएंगे तो त्योहार का असली माहौल महसूस नहीं कर पाएंगे।÷ वह अपने बच्चों, पोते-पोतियों और पति से मिलने के लिए घर जाना चाहती हैं।

सुपर-8 टीमों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन

● वेस्टइंडीज वर्ल्ड कप में भारी पड़ा, साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के बाद 8 टीमें सेकेंड राउंड में पहुंच चुकी हैं। यहां 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया। टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के ग्रुप में रखा है। विंडीज को छोड़कर बाकी दोनों टीमों के खिलाफ भारत का वर्ल्ड कप रिकॉर्ड अच्छा है।

सुपर-8 स्टेज की तीनों टीमों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन

● **साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया-** सुपर-8 स्टेज में टीम इंडिया का पहला मैच 22 फरवरी को साउथ अफ्रीका से होना है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमों ने 8 टी-20 खेले, 6 में भारत और महज 2 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में दोनों टीमें 7 बार भिड़ीं, 5 में भारत और 2 में ही साउथ अफ्रीका जीत सका। टीम इंडिया ने 2014 के सेमीफाइनल और 2024 के फाइनल में प्रोटियाज टीम को ही हराया था। ओवरऑल टी-20 में भी भारत ने साउथ अफ्रीका को 60 प्रतिशत मैच हराए हैं।

● **जिम्बाब्वे ने चैंपियन बनने के बाद हराया-** टीम इंडिया का दूसरा मैच 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से होना है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से ही शुरू होगा। 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर ही गई। जहां होम टीम ने पहले ही मुकाबले में भारत को 102 रन पर समेटकर 13 रन से मुकाबला जीत लिया। हालांकि, सीरीज 4-1 से भारत के नाम रही।टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें इकलौती बार 2022 में भिड़ी थीं। मेलबर्न में पहले बैटिंग करते हुए भारत ने सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल की फिफ्टी के सहारे 186 रन बना दिए। जवाब में जिम्बाब्वे 115 रन ही बना सका। ओवरऑल दोनों टीमों के बीच 13 टी-20 हुए, महज 3 में जिम्बाब्वे को जीत मिल सकी।

● **वेस्टइंडीज 2016 का सेमीफाइनल हरा चुका-** टीम इंडिया का आखिरी सुपर-8 मैच 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में यह मुकाबला भी शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमें एक बार भी नहीं भिड़ीं, दोनों टीमें 2024 के आईसीसी टूर्नामेंट में भी आमने-सामने नहीं हो सकी थीं। भारत ने वेस्टइंडीज को ओवरऑल 63 प्रतिशत टी-20 मैच हराए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का पलड़ा ही भारी रहा। आईसीसी टूर्नामेंट में दोनों टीमें 2009 में पहली बार भिड़ी थीं, तब लॉर्ड्स में भारत 7 विकेट से हार गया। 2010 में भी विंडीज 14 रन से जीता। भारत को इकलौती जीत 2014 में मिली, तब टीम 7 विकेट से जीती थी। दोनों टीमें 2016 में मुंबई के मैदान पर सेमीफाइनल में भी आमने-सामने हुईं। भारत ने विराट कोहली के 89 रन की मदद से 192 रन बनाए, विंडीज ने 2 गेंदें बाकी रहते हुए 7 विकेट से मुकाबला जीता और भारत को बाहर कर दिया।

सभी टेबल टॉपर भारत के ग्रुप में

सुपर-8 से पहले ग्रुप स्टेज में 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया। भारत ग्रुप-ए में सभी मैच जीतकर टॉप पर रहा। टीम इंडिया के सुपर-8 ग्रुप में शामिल जिम्बाब्वे ग्रुप-बी, वेस्टइंडीज ग्रुप-सी और साउथ अफ्रीका ग्रुप-डी में सभी मैच जीतकर नंबर-1 पर रहा। यानी टीम इंडिया के ग्रुप-1 में सभी अजेय टीमें हैं। दूसरी ओर ग्रुप-2 में शामिल श्रीलंका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज में 1-1 हार जरूर मिली।

बीसीबी ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया

● खिलाड़ियों को 4 ग्रेड में बांटा, ग्रेड डी खिलाड़ियों को मिलेंगे सिर्फ 1.5 लाख रुपये

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2026 तक के लिए पुरुष टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा कर दी है। 2025 में जहां 22 खिलाड़ी कॉन्ट्रैक्ट में शामिल थे, वहीं 2026 के लिए यह संख्या बढ़ाकर 28 कर दी गई है। बीसीबी ने खिलाड़ियों को कैटेगरी ए, बीसी और डी में बांटा है। तस्किन अहमद ए+ ग्रेड से इस बार ए ग्रेड में आ गए तेज गेंदबाज तस्किन अहमद, जो पिछले साल अकेले ए+ ग्रेड में थे, इस बार ए

ग्रेड में आ गए हैं। फरवरी में एचिलीज चोट के कारण वे 2025 में कोई टेस्ट मैच नहीं खेल सके, लेकिन व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सक्रिय रहे। उन्होंने 6 वनडे में 8 विकेट और 13 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 विकेट लिए। कुल मिलाकर तस्किन ने 17 टेस्ट में 49 विकेट, 83 वनडे में 117 विकेट और 86 टी20 में 106 विकेट लिए हैं। ग्रेड ए में नजमुल हुसैन शांतो, मेहदी हसन मिराज, लिटन दास और तस्किन अहमद शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को 8 लाख बांग्लादेशी टका (लगभग ?6 लाख) प्रति माह मिलेंगे।

ग्रेड बी में 11 खिलाड़ी को रखा गया

वहीं, अनुभवी खिलाड़ी मुशफिकुर रहीम पिछले साल मार्च में वनडे से संन्यास लेने के बाद अब बी ग्रेड में आ गए हैं। उनके साथ मोमिनुल हक, तैजुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तौहीद हृदय, हसन महमूद, नाहिद राणा, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, रिशाद हुसैन और शाक माहेदी हसन को भी बी ग्रेड में रखा गया है। इस ग्रुप के खिलाड़ियों को 6 लाख टका (करीब ?4.5 लाख) प्रति माह मिलेंगे।

4 खिलाड़ियों को क्रग्रेड में प्रमोशन मिला- शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, रिशाद हुसैन और शाक माहेदी हसन को शानदार प्रदर्शन के चलते बी ग्रेड में प्रमोशन मिला है। तंजीद हसन 2025 में टी20 में बांग्लादेश के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 27 मैचों में 775 रन बनाए। वहीं, रिशाद हुसैन ने पिछले सीजन वनडे और टी-20 दोनों में सबसे ज्यादा विकेट लिए। उन्होंने 25 टी20 में 33 और 7 वनडे में 17 विकेट झटके।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में लौट रहा ये धाकड़ पहलवान, जॉन सीना तक की कर चुका है पिटाई

यूएस (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग के दिग्गज और 'द फिनोमिनल वन' के नाम से मशहूर एजे स्टाइल्स एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। हाल ही में संपन्न हुए मंडे नाइट आरएडब्ल्यू के एपिसोड के दौरान कुछ ऐसे बड़े ऐलान और संकेत मिले हैं, जिसने उनके फैंस के बीच उत्साह भर दिया है। स्टाइल्स पिछले कुछ समय से चोट और व्यक्तिगत कारणों से एक्शन से दूर रहे हैं, लेकिन अब उनकी वापसी की संभावनाएं नजर आ रही हैं।

क्या एजे स्टाइल्स की होगी वापसी?

सोशल मीडिया पर फैंस इस बात को लेकर कयास लगा रहे हैं कि क्या आगामी किसी बड़े इवेंट में वे रिंग में फिर से अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने हालिया एपिसोड्स में जिस तरह से नई स्टोरीलाइन्स और बड़े मैचों की घोषणा की है, उससे यह स्पष्ट है कि कंपनी अपने रोस्टर को और मजबूत करने की योजना बना रही है। एजे स्टाइल्स जैसे अनुभवी रेसलर की मौजूदगी न केवल शो की रेटिंग्स को बढ़ाती है बल्कि युवाओं के लिए भी एक बड़ी चुनौती पेश करती है। डब्ल्यूडब्ल्यूई की ओर से नहीं आया कोई बयान हालांकि डब्ल्यूडब्ल्यूई की ओर से उनकी वापसी की कोई सटीक तारीख अभी साझा नहीं की गई है, लेकिन पर्दे के पीछे की हलचल और हालिया घोषणाओं ने इस बात को हवा दे दी है कि स्टाइल्स बहुत जल्द वापसी कर किसी बड़ी चैंपियनशिप का हिस्सा बन सकते हैं।

जिम्बाब्वे ने लगातार दूसरे वर्ल्ड चैंपियन को हराया

● ऑस्ट्रेलिया के बाद श्रीलंका को 6 विकेट से मात दी, 26 फरवरी को भारत से मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरे मैच में वर्ल्ड चैंपियन टीम को मात दी है। उसने गुरुवार को कोलंबो में 2014 की वर्ल्ड चैंपियन श्रीलंका को 6 विकेट से हराया। टीम ने 13 फरवरी को 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से हराया था।

अब सुपर-8 में टीम का पहला मैच 23 फरवरी को मुंबई में वेस्टइंडीज से होगा। इसके बाद 26 फरवरी को भारत से चेन्नई में मुकाबला होगा। सुपर-8 में जिम्बाब्वे का आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में साउथ अफ्रीका से होगा। जिम्बाब्वे आईसीसी रैंकिंग में 11वें नंबर पर है।इस जीत के साथ जिम्बाब्वे ने 7 पॉइंट्स के साथ ग्रुप क्को टॉप किया है। श्रीलंका 6 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहा। 179 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। ओपनर ब्रायन बेनेट ने महीश तीक्षणा की बॉल पर चौका मारकर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने 48 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। बेनेट ने 8 चौके लगाए। उनके अलावा, कप्तान सिकंदर रजा ने 45 और तदिवानाशे मारुमनी ने 34 रन का योगदान दिया। दशुन हेमंथा ने 2 विकेट झटके।

अफगानिस्तान ने अपने आखिरी मैच में कनाडा को हराया

82 रन से जीता मैच, जादरान ने 95 रन बनाए, नबी को 4 विकेट

कोलंबो (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान का सामापन जीत के साथ किया है। टीम ने गुरुवार के आखिरी मैच में कनाडा को 82 रन से हराया।

कनाडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 118 रन ही बना सकी। इब्राहिम जादरान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच का स्कोरबोर्ड

इब्राहिम जादरान 5 रन से शतक चूके- अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान महज 5 रन से टी-20 वर्ल्ड कप में अपना पहला शतक चूक गए। उन्होंने 95 रनों की नाबाद पारी खेली। जादरान ने 56 गेंद की पारी में 4 चौके और 5 छक्कों के सहारे 169.64 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। जादरान के अलावा, सेदिकुल्लाह अटल ने 44 रन बनाए। वे 6 रन से फिफ्टी चूक गए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 30 रन बनाए। कनाडा के लिए जसकरन सिंह को 3 विकेट मिले।

सुपर-8 के मैचों का पूरा शेड्यूल

21 फरवरी से शुरुआत, 3 डबल हेडर होंगे, भारत 22 फरवरी को साउथ अफ्रीका से खेलेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की सुपर-8 टीमें तय हो चुकी है। ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान ने अगले दौर में प्रवेश किया है। लेकिन, इन टीमों के मुकाबले कब और कहां होंगे? किस टीम को कौन से ग्रुप में रखा गया है और उसका मैच कब होगा।

इस टूर्नामेंट में 20 टीमों ने हिस्सा लिया। 5-5 टीमों को 4 अलग ग्रुप में बांटा गया। 36 मैच खत्म होने के बाद ही अगले राउंड की 8 टीमें तय हो गईं। गुरुवार को 3 मैच खेले गए, लेकिन इनसे सुपर-8 पर कोई फर्क नहीं पड़ा। आज ऑस्ट्रेलिया-ओमान आखिरी ग्रुप मैच खेलेंगे, लेकिन सुपर-8 पर इसका भी कोई असर नहीं होगा।

सुपर-8 में 12 मैच होंगे

सुपर-8 स्टेज में 4-4 टीमों के 2 ग्रुप बनेंगे। हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेगी। यानी एक ग्रुप में 6 मैच होंगे। इस तरह दोनों ग्रुप मिलाकर 12 मुकाबले खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें अगले राउंड में एंट्री करेंगी। सुपर-8 स्टेज में 22 और 26 फरवरी के साथ 1 मार्च को 2-2 मैच खेले जाएंगे। 20 से 28 फरवरी तक बाकी दिन 1-1 मैच ही होगा। 4 मार्च को पहला सेमीफाइनल होगा, वहीं 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। इन्हें जीतने वाली टीम 8 मार्च को फाइनल में भिड़ेगी। अगर पाकिस्तान ने नॉकआउट राउंड में एंट्री की तो उसके सभी मैच कोलंबो में होंगे।

पाक-न्यूजीलैंड के बीच पहला ग्रुप स्टेज मैच

7 फरवरी से शुरू हुए टूर्नामेंट के सुपर-8 स्टेज की शुरुआत 21 फरवरी से होगी। पहला मैच न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला खेला जाएगा। ग्रुप-2 में न्यूजीलैंड के अलावा, इंग्लैंड और श्रीलंका ने भी क्वालिफाई कर लिया है।

भारत का पहला मैच साउथ अफ्रीका से

टीम इंडिया 22 फरवरी को अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका से पहला मैच खेलेगी। टीम फिर 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे से भिड़ेगी। भारत का आखिरी सुपर-8 मैच 1 मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज से होगा।

ग्रुप स्टेज में 12 टीमें बाहर

टूर्नामेंट में 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप-ए से टीम इंडिया और पाकिस्तान ने क्वालिफाई कर लिया। ग्रुप-बी में श्रीलंका और जिम्बाब्वे ने क्वालिफाई किया। ग्रुप-सी से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज अगले राउंड में पहुंचीं। वहीं, ग्रुप-डी से न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 में एंट्री की है। ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, स्कॉटलैंड, इटली, नेपाल, अफगानिस्तान, यूएई, नामीबिया, यूएसए, नीदरलैंड और कनाडा लीग स्टेज से बाहर हो गई हैं।

मोहम्मद आमिर ने फिर उगला जहर

● टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगा भारत

करांची (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया का प्रदर्शन कमाल का रहा। भारतीय टीम ने हर सेक्टर में कमाल का खेल अब तक दिखाया है। अब सुपर 8 स्टेज की बारी है। ग्रुप स्टेज में अजेय रहने के बावजूद, पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने टीम इंडिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के एक टीवी शो पर बात करते हुए आमिर ने भविष्यवाणी की है कि भारत सुपर-8 से आगे नहीं बढ़ पाएगा।

सुपर-8 के ग्रुप-1 में भारत के साथ दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे मौजूद हैं। जब आमिर से इस ग्रुप से दो सेमीफाइनल फाइनलिस्ट चुनने को कहा गया, तो उन्होंने भारत को छोड़ दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज का नाम लिया। आमिर ने तर्क दिया, पाकिस्तान वाले मैच को छोड़कर हर मैच में भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ाई है। जिस तरह दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज खेल रहे हैं, वे किसी भी टीम को हरा सकते हैं। मोहम्मद आमिर का

यह बयान काफी अजीब सा लग रहा है।

अभिषेक शर्मा को बताया था स्लॉगर- इससे पहले आमिर ने भारतीय युवा ओपनर अभिषेक शर्मा की तकनीक पर निशाना साधते हुए उन्हें स्लॉगर करार दिया था। आमिर का मानना है कि अभिषेक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंबी रेस के घोड़े नहीं हैं क्योंकि वे हर गेंद को हिट करने की कोशिश करते हैं। अभिषेक के लगातार तीन डक पर आउट होने के बाद आमिर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट उनकी कमजोरियों को उजागर कर देगा। इसके बाद मोहम्मद आमिर को भारत से भारी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। शायद इसी गुस्से में उन्होंने भारत जैसे मजबूत टीम को ही सेमीफाइनल की रेस बाहर कर दिया है।

सुपर-8 में भारत का कड़ा इम्तिहान- भले ही टीम इंडिया ग्रुप स्टेज में अजेय रही हो, लेकिन आमिर के बयान ने एक बहस छेड़ दी है। भारत को सेमीफाइनल की टिकट पक्की करने के लिए साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी फॉर्म में चल रही टीमों से पार पाना होगा।

पीसीबी बोला- शादाब दिग्गज पाक खिलाड़ियों पर कमेंट न करें

क्रिकेटर ने कहा था- सीनियर कभी वर्ल्डकप में भारत को हरा नहीं पाए, हमने हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद की यह तस्वीर शादाब खान की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों को लेकर एक बयान दिया था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) नाराज बताया जा रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद की यह तस्वीर शादाब खान की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों को लेकर एक बयान दिया था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) नाराज बताया जा

रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर शादाब खान को अपने बयान के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की नाराजगी का सामना करना पड़ा है। शादाब ने कहा था कि पाकिस्तान के सीनियर प्लेयर कभी वर्ल्डकप में भारत को हरा नहीं पाए, लेकिन हमनें हराया है।

शादाब का इशारा 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भारत पर जीत को लेकर था। अब पीसीबी ने पूर्व खिलाड़ियों की आलोचना पर दिए शादाब के बयान को अनुचित माना है। बोर्ड ने शादाब को अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की सलाह दी है।

यह पूरा मामला 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद हुई पाकिस्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस से शुरू हुआ, जहां शादाब ने पूर्व क्रिकेटरों पर बयान दिया था। इस मैच में पाकिस्तान ने नामीबिया से जीत हासिल की थी। वहीं, इससे पिछले मैच में पाकिस्तान को भारत से 61 रन से हार था।

शादाब ने कहा था- जो हमने किया, वो दिग्गज भी नहीं कर सके- नामीबिया के खिलाफ 36 रन बनाने और 3 विकेट लेने के बाद शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, आलोचना क्रिकेट के इतिहास का हिस्सा है। पूर्व क्रिकेटर्स की अपनी राय है। वे दिग्गज थे, लेकिन हमने जो किया, वे नहीं कर सके।

मैनेजमेंट की अन्य खिलाड़ियों को भी चेतावनी- पीसीबी ने सिर्फ शादाब ही नहीं, बल्कि पूरी टीम को नसीहत दी है। टीम मैनेजर को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी खिलाड़ियों को समझाएं कि वे अपनी टिप्पणियों को सिर्फ मैच तक ही सीमित रखें। अगर कोई खिलाड़ी दोबारा मर्यादा लांघता है तो बोर्ड उस पर कड़ी कार्रवाई कर सकता है। पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने भी शादाब के बयान को गैरजरूरी बताया और कहा कि दिग्गजों के खिलाफ बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए। भारत से हार के बाद पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप के आखिरी लीग मैच में नामीबिया को 102 रन सो हराकर सुपर-8 में अपना स्थान पक्का किया।

जबलपुर रेलवे ने जीता खिताब, फाइनल में इनकम टैक्स पुणे को हराया

बीजापुर के मिनी स्टेडियम में तीन दिन तक चला जोरदार मुकाबला

बीजापुर/मूक पत्रिका

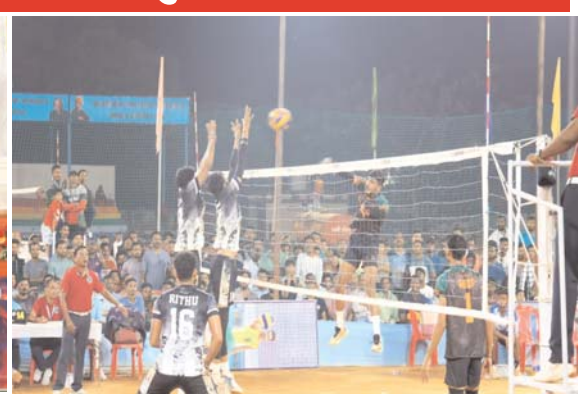

मिनी स्टेडियम में हुई तीन दिवसीय अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हो गया। फाइनल मुकाबले में जबलपुर रेलवे की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए इनकम टैक्स पुणे को हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। मैच काफी रोमांचक रहा। दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन आखिर में जबलपुर की टीम बाजी मार गई।इस प्रतियोगिता में देश के आठ राज्यों की टीमों के साथ संभाग और जिले की टीमें भी शामिल हुईं। करीब 160 खिलाड़ी और 40 अधिकारी आयोजन का हिस्सा बने। हर दिन स्टेडियम में दर्शकों की अच्छी भीड़ देखने को मिली। पुरस्कार राशि इस तरह रही पहला स्थानः जबलपुर रेलवे ङ्क 1 लाख रुपएदूसरा स्थानः इनकम टैक्स पुणे ङ्क 51 हजार रुपएतीसरा स्थानः छत्तीसगढ़ पुलिस ङ्क 21 हजार रुपएचौथा स्थानः तमिलनाडु वॉलीबॉल टीम ङ्क 11 हजार रुपए

व्यक्तिगत पुरस्कार

टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अभिराज (जबलपुर रेलवे) को चुना गया।बेस्ट ब्लॉकर का पुरस्कार टी. चंद्रशेखर (छत्तीसगढ़ पुलिस) को मिला।बेस्ट सेट्टर ऋतुराज (जबलपुर रेलवे) रहे।बेस्ट अटैकर का खिताब संकेत (इनकम टैक्स पुणे) ने जीता।समापन समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जानकी कोरसा, जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माडवी, मैथ्यूज कुजुर, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता सोम पुजारी, जनपद सदस्य श्रीमती धनेश्वरी बाकडे और वरिष्ठ नागरिक घासीराम नाग मौजूद रहे।प्रशासन की ओर से कलेक्टर संबित मिश्रा, डीएफओ श्री आर.के. जांगड़े, जिला सीईओ श्रीमती नम्रता चौबे, सीआरपीएफ कमांडेंट, एसडीएम जागेश्वर कौशल, खेल अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल और डिप्टी कलेक्टर उत्तम पंचारी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में खिलाड़ियों ने अच्छा खेल दिखाया। दर्शकों का उत्साह भी देखने लायक था। बीजापुर में इस तरह की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता से खेलों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

सतनाम सद्भाव पदयात्रा का चौथा दिन, पलारी से लवन तक गूंजा एकता का संदेश

रायपुर/बलौदाबाजार/

मूक पत्रिका

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व व मार्गदर्शन में आयोजित विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा के चतुर्थ दिवस की शुरुआत सोमवार सुबह पलारी स्थित सतनाम भवन से हुई। यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व श्रद्धालुओं और पदयात्रियों ने परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान ÷बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखेङ्कमनखे एक समान÷ का उद्घोष करते हुए सामाजिक समरसता और समानता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।चतुर्थ दिवस की पदयात्रा पलारी से प्रारंभ होकर अमेरा, कंजी एवं डोटोपार जैसे ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरते हुए आगे बढ़ी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर समाजजनों ने पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया। ग्रामीणों ने एकता, भाईचारे और समान अधिकारों के समर्थन में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। यात्रा का समापन नगर पंचायत लवन में होगा, जहां सामूहिक भोज एवं रात्रि विश्राम का आयोजन रखा गया है। इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने समाज में एकता, सद्भाव और समान अधिकारों की भावना को और अधिक सशक्त करने का आह्वान किया। यह पदयात्रा सामाजिक समरसता के ऐतिहासिक अभियान के रूप में प्रदेशभर में सकारात्मक ऊर्जा और एकजुटता का संदेश प्रसारित कर रही है।

पलारी में उमड़ा आस्था का जनसैलाब 'बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे-मनखे एक समान' के जयघोष के साथ भव्य स्वागत

आरंग/मूक पत्रिका

पलारी/लवनः सत्य, अहिंसा और सामाजिक समरसता का संदेश लेकर युवराज गुरु धर्मगुरु गुरु खुशवंत साहेब कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नेतृत्व में निकली 'विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा' का पलारी पहुंचने पर ऐतिहासिक और अभूतपूर्व स्वागत किया गया। समाजजनों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के अपार उत्साह ने इस यात्रा को एक जन-आंदोलन का रूप दे दिया है। ढोल-नगाड़ों और पंथी नृत्य की गूंज के बीच फूलों की वर्षा कर पदयात्रियों का अभिनंदन किया गया, जो क्षेत्र में एकजुटता और आपसी भाईचारे की एक नई मिसाल पेश कर रहा है। तृतीय दिवस की यात्रा राजागुरु, धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब जी के सानिध्य में बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे-मनखे एक समान÷ का आह्वान करते हुए पदयात्रा कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में गिरौदपुरी धाम के लिए आगे बढ़ रही है। गांव गांव में नागरिकगण परम् पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प ले रहे है। गुरु खुशवंत साहेब जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहाः ?÷परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के आदर्शों से प्रेरित यह यात्रा मात्र एक पदयात्रा बस नहीं है बल्कि जन-जन को हृदय से जोड़ने का अभियान है। आज पूरा हिंदुस्तान एक ही स्वर में 'मनखे-मनखे एक समान' का संदेश उद्घोष कर रहा है। सद्भाव, समानता और संगठन की जो ज्योति हमने जलाई है, वह अब छत्तीसगढ़ के हर गांव और हर घर की चौखट तक पहुँच चुकी है।÷चौथे दिन की यात्रा का आगाज़ पलारी से हुआ। भक्ति और उत्साह के साथ पदयात्री अमेरा, कंजी और डोटोपार जैसे ग्रामीण अंचलों से होते हुए गुज़रेगा। वही यात्रा का चौथा दिन नगर पंचायत लवन में समाप्त होगा, जहाँ सामूहिक भोज और रात्रि विश्राम का आयोजन किया गया है। यहाँ भी गुरु दर्शन के लिए बड़ी संख्या में अनुयायियों के जुटने की संभावना है।अंतिम पड़ाव (पंचम दिवस): पांचवें दिन यात्रा लवन से प्रस्थान कर बाबा गुरु घासीदास जी की पावन तपोभूमि, पवित्र गिरौदपुरी धाम पहुँचेगी। ?इस भव्य पदयात्रा का समापन गिरौदपुरी धाम में गुरु के चरणों में मत्था टेकने और आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ होगा। यात्रा मार्ग में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और सामाजिक कार्यकर्ता मुस्तैद हैं।

नए राजपत्र पर शिक्षक संघ ने जताया विरोध, एलबी संवर्ग के साथ अन्याय का आरोप

पदोन्नति के मौके घटने की बात, आंदोलन की चेतावनी

बीजापुर/मूक पत्रिका

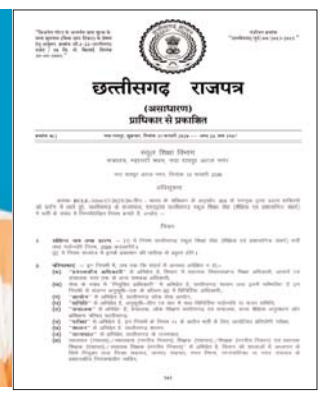
छत्तीसगढ़ राजपत्र
(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से 13 फरवरी 2026 को जारी नए राजपत्र को लेकर शिक्षकों में नाराजगी सामने आई है। छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ की बीजापुर इकाई ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि यह राजपत्र एलबी संवर्ग के हितों के खिलाफ है।जिला अध्यक्ष प्रहलाद जैन और जिला सचिव व संभागीय प्रवक्ता कैलाश रामटेके ने कहा कि पदोन्नति में एलबी संवर्ग को संख्या के अनुपात में पद नहीं दिए गए। उनका कहना है कि एलबी संवर्ग राज्य का बड़ा शिक्षक वर्ग है, लेकिन नए प्रावधानों में उनकी लंबी सेवा को महत्व नहीं मिला। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि राजपत्र जारी करने से पहले पदाधिकारियों से कोई राय नहीं ली गई।

व्यायाम शिक्षक और ग्रंथपाल के पद खत्म करने, एबीओ पदोन्नति कोटा बढ़ाने और शिक्षा विभाग के कुछ पद राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को देने के फैसले पर भी आपत्ति जताई गई है।शिक्षक संघ ने साफकहा है कि यदि संशोधन नहीं किया गया तो प्रदेश स्तर पर बैठक कर आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। वसीम खान, विजय चापड़ी, शिव पूनेम, पूर्णचंद बेहरा और योगेश वासम सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी फैसले पर नाराजगी जताई है।

कलेक्टर डॉ संजय ने परीक्षा केंद्र में दसवीं बोर्ड परीक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने परीक्षा केंद्र पीएमश्री स्कूल सारंगढ़ में संचालित दसवीं बोर्ड परीक्षा का औचक निरीक्षण कर, वहां अनुशासन के साथ शांतिपूर्ण ढंग से सुचारु संचालित बोर्ड परीक्षा का अवलोकन लिया।

संत रविदास जयंती एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में छत्तीसगढ़ मेहर समाज द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय संत शिरोमणि श्री रविदास जी की जयंती एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन में बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा शामिल हुए इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि संत रविदास जी की 249 जंयती भारत के मध्य काल के एक महान संत थे जिन्होंने शिक्षा पर आधारित पंथ की स्थापना की हमें जात-पात की बेडियो से बाहर निकाला तथा आत्म ज्ञान का मार्ग दिखाया सिख समाज के गुरु ग्रंथ साहिब में भी इनके 41 पद है जो इनके 16 रागों में संकलित है संत रविदास ने हमें छुआछूत तथा पाखंडों से दूर रहना सिखाया है आज के परिवेश में जहां समाज में कटुता बढ़ रही है ऐसे में संत रविदास जी के दिखाएं मार्ग पर चलकर ही हम आपस में भाईचारा एवं सौहार्द स्थापित कर सकते हैं समाज के माध्यम से बहुत सुन्दर युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित कर युवा पीढ़ी वर्ग आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहा है इस अवसर पर खेमराज बाकरे शशि प्रभा गायकवाड रामाधार लहरी हितेश मंडावी कुलेश्वरी बघेल बसंत जोशी गणेश सिवारे दिनेश जोशी भाव सिंह राज राम बृज लहरे मोहित पाठक शिव कुमार लहरे विमल कर्माकर कमल लहरे हरिशंकर रामू लहरे दशरथ लहरें पूरन लाल सहित सामाजिक बंधुगण उपस्थित रहे।

कृषि पंपो का बिजली बिल थमाना किसानों के साथ कुठाराघात -आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने प्रदेश की साय सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के माध्यम से बेमेतरा विधानसभा के विभिन्न ग्रामों में 3 एचपी तथा 5 एचपी के कृषि पंपो का विद्युत बिल किसानों को थमाया गया है साथ ही साथ इस बिल के माध्यम से कहा गया है कि अगर निर्धारित अवधि में बिल नहीं पटाया गया तो किसानों के विरुद्ध न्यायालय में कानूनी कार्रवाई की जाएगी जबकि अब तक भाजपा सरकार किसानों को कृषि कार्य के लिए मुक्त बिजली देने की बात कह कर लोगों से अपनी पीठ थपथपाती है ऐसे में किसानों को परेशान करने और लूटने के नियत से भाजपा सरकार के द्वारा पहले तो किसानों से धान खरीदी के नाम पर तरह-तरह से प्रताड़ित किया गया और अब किसानों को बिजली बिल पटाने के नाम पर धमकाया जा रहा है जो किसी भी तरह से उचित नहीं है अन्नदाताओं के साथ इस तरह भाजपा का व्यवहार यह दिखाता है कि यह सरकार सिर्फ पूंजीवादी है येन केन प्रकारेण भाजपा सरकार को सिर्फ और सिर्फ पैसा कमाना है चाहे इसके लिए उसे किसानों को ही क्यों ना लूटने पड़े वहीं पूर्व विधायक ने कहा कि जब किसानों से बिजली बिल का पैसा ही लेना है तो फिर भाजपा वाले चिल्ला चिल्ला कर क्यों कहते हैं कि सरकार किसानों को मुक्त बिजली दे रही है यह दोहरा नाटक क्यों कर रहे हैं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कहा कि किसानों के साथ ना इंसाफी होने पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आने वाले समय में किसानों को साथ में लेकर एक बड़ा आंदोलन जिले में किया जाएगा विशेष कर बिजली विभाग के इस मनमाने रवैया के खिलाफ एक बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा ।

बिरिंगपाल में विकसित भारत जी-राम जी विधेयक पर कार्यशाला, 125 दिन रोजगार गारंटी पर जोर

सांसद महेश कश्यप बोले, गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर जिले के नानगुर मंडल के बिरिंगपाल गांव में विकसित भारत जी-राम जी विधेयक को लेकर कार्यशाला हुई। कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। ग्रामीणों ने तिलक लगाकर और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने विधेयक के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी दी। बताया गया कि इसका मकसद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और परिवारों को आय का स्थायी आधार देना है। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि सरकार चाहती है कि विकास की योजनाएं गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित प्रावधान के तहत रोजगार की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन करने की बात कही गई है। यह सुविधा उन परिवारों को मिलेगी, जिनके वयस्क सदस्य अकुशल श्रम के लिए पंजीयन कराएंगे। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक या काम पूरा होने के 15 दिन के भीतर करने का प्रावधान है। कार्यक्रम में धरमू मंडावी, समलू राम, जयराम नाग, करुणा कश्यप, रैदु नाग, हरिराम मंडावी, जगमोहन शर्मा, मानसिंह नाग, कमल कुमारी सेठिया, मनसाय बघेल, दशमु राम, हरिशंकर कश्यप, रामकेशरी गोयल और राज बघेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। आयोजन में लोगों ने विधेयक से जुड़े मुद्दों पर चर्चा भी की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।